RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

पढ़-लिखकर कितने युवा, भटक रहे बेकार।
सामाजिक बदलाव का, यह कैसा आधार।
यह कैसा आधार, भला यह कैसी शिक्षा।
पड़े मांगनी जहां, जॉब की जाकर भिक्षा।
कह साहिल कविराय, नहीं गुण गायें इतने।
भटक रहे बेकार, युवा ना जाने कितने।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 199 | TUESDAY DATE 11-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

विमानन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी 25% तक बढ़ाने का लक्ष्यः राम मोहन नायडू

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त । केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने भारतीय विमानन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक पहुंचाने का बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि भारत महिला पायलटों की हिस्सेदारी के मामले में वैश्विक औसत (5%) से तीन गुना आगे है, जहां देश में वर्तमान में करीब 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं। सरकार का यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य केवल पायलटों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें हवाई अड्डा प्रबंधन, तकनीकी सेवाएं, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और भविष्य की उन्नत तकनीकों जैसे सभी विमानन कार्यबल शामिल हैं। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उद्योग में ऐसा अनुकूल वातावरण तैयार किया जाना चाहिए जहां महिलाएं कार्य करने के साथ-साथ नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी संभाल सकें। भारत पहले ही इस दिशा में वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुका है और सरकार का यह कदम देश के विमानन विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मददगार साबित होगा।

भारत में शेरों की संख्या बढ़कर 891 हुई, विश्व शेर दिवस पर पर्यावरण मंत्री ने जताई खुशी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त । विश्व शेर दिवस के अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने देश में एशियाई शेरों की बढ़ती संख्या पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी कि भारत में शेरों की आबादी साल 2015 के 523 से बढ़कर साल 2025 में 891 हो गई है। मंत्री ने इस शानदार उपलब्धि का श्रेय वन अधिकारियों, पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों की अटूट मेहनत को दिया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता वन्यजीव संरक्षण के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2020 को शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट लायन' के बाद शेरों का प्राकृतिक क्षेत्र भी करीब 30,000 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर लगभग 35,000 वर्ग किलोमीटर तक फैल गया है।

ममता बनर्जी के काफिले पर हमला 'सुनियोजित साजिश', टीएमसी ने भाजपा पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त । पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले पर पत्थर, ईंट और कीचड़ फेंके जाने की घटना को लेकर सियासत तेज हो गया है। टीएमसी नेताओं ने इस घटना को गंभीर बताते हुए इसे सुनियोजित हमला और साजिश करार दिया है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि ममता बनर्जी को निशाना बनाकर उनके काफिले पर हमला किया गया। टीएमसी सांसद ममता बाला ठाकुर ने कहा कि ममता बनर्जी कोई सामान्य राजनीतिक नेता नहीं हैं। वह तीन बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और सात बार सांसद रही हैं। इसके अलावा, वह केंद्र में मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं। जिस समय ममता बनर्जी एक मृत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं, उसी दौरान उनके काफिले को निशाना बनाया गया। सड़क से गुजरने के दौरान काफिले पर पत्थरों और ईंटों से हमला किया गया।

दिल्ली में बेटियों को मिली नई उड़ान

'विद्या वाहिनी' योजना से साइकिल वितरण

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

दिल्ली विधानसभा में सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलकर कई महिला लाभार्थी भावुक हो गईं। मुख्यमंत्री ने लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत छात्राओं में साइकिलें बांटीं। सीएम रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'दिल्ली सरकार प्रदेश की बेटियों का आत्मविश्वास बढ़ाना चाहती है। हमारी सरकार उनके साथ खड़ी है ताकि वे अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। हम उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य और भलाई से जुड़ी हर जरूरत को पूरा करना चाहते हैं ताकि जन्म के समय से ही लड़की को 'लखपति योजना' के माध्यम से सशक्त बनाया जा सके।' उन्होंने लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करने पर सरकार के फोकस पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि जैसे ही कोई लड़की बड़ी होकर 9वीं कक्षा में पहुंचे, उसे साइकिल मिले और वह अधिक स्वतंत्र बने। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कई योजनाएं शुरू की गई हैं, जिनका उद्देश्य देशभर में लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाना है।'

'विद्या वाहिनी योजना' के तहत मुख्यमंत्री गुप्ता ने छात्राओं को साइकिलें बांटीं। इस कदम का उद्देश्य शिक्षा तक पहुंच में सुधार करना और लड़कियों के स्कूल जाने को प्रोत्साहित करना है।

इस बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और विधायक 'लक्ष्मी योजना' को लागू करने में बाधा डालने की कोशिश कर रहे थे। पूर्व भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में विपक्ष की नेता आतिशी के कार्यालय के बाहर भी एक अलग विरोध प्रदर्शन किया गया।

भाजपा नेता हरीश ओबेरॉय ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि महिलाएं अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए 'आप' विधायकों के आवासों और कार्यालयों के बाहर जमा हुई थीं।

ओबेरॉय ने कहा, 'ये सभी महिलाएं आम आदमी पार्टी के विधायकों के रुख का विरोध करने आई हैं। हमारी सम्मानित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'लक्ष्मी योजना' शुरू की है, जिसके तहत महिलाओं को 2,500 रुपए मिलेंगे। हालांकि जब विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा हुई तो 'आप' विधायकों ने इसका विरोध किया और सदन से बाहर चले गए।'

गृह मंत्री अमित शाह को छात्रों और युवाओं पर की गई बर्बरता का जवाब देना होगा : खड़गे

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 20 जुलाई को संसद घेराव के दौरान दिल्ली पुलिस के जवानों द्वारा छात्रों पर की गई बर्बरता पर स्पष्टीकरण मांगी। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री को जवाब देना ही होगा। वह बताएं कि किसके आदेश पर दिल्ली पुलिस ने छात्रों पर बल प्रयोग किया। प्रेस वार्ता के दौरान खड़गे ने सोमवार को कहा कि गृह मंत्री अमित शाह छात्रों और युवाओं पर की गई बर्बरता पर जवाब दें क्योंकि दिल्ली में उन पर लाठीचार्ज हुआ और आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

साथ ही, पैलेट गन और इलेक्ट्रिक शॉक बैटन का भी इस्तेमाल किया गया। छात्रों और युवाओं के साथ क्रूरता की गई लेकिन अमित शाह ने सदन में अब तक जवाब नहीं दिया जबकि विपक्ष के लोग लगातार मांग उठा रहे हैं। खड़गे ने कहा कि हमारी पहली मांग है कि केंद्रीय गृह मंत्री आकर बताएं कि छात्रों पर पैलेट गन, आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल क्यों किया गया। दूसरी मांग यह है कि ट्रस्टियों ने राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी की, ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी खुद इस बारे में जानकारी दें। अब तक इस मामले में कुछ नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने पिछले 15 दिनों में इन मुद्दों पर कुछ नहीं कहा है जबकि हम सभी इन मुद्दों पर लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष मानसून सत्र के दौरान नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी, छात्रों पर दिल्ली पुलिस की बर्बरता पर चर्चा चाहता है।

तरुण तेजपाल मामले में कांग्रेस पर बरसे सुधांशु त्रिवेदी कहा-राष्ट्रवाद को रोकने की साजिशों का हुआ खुलासा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने तहलका मैगजीन के एडिटर इन चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में 10 साल की सजा सुनाए जाने पर कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद के महामेरु पर वार बहुत ही हल्का था और राष्ट्रवाद को रोकने के लिए साजिशों का तहलका था, जो आज पूरी तरह से एक्सपोज हो गया है।

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अभी हाल ही में तहलका मैगजीन के एडिटर इन चीफ तरुण तेजपाल को मुंबई हाईकोर्ट की गोवा खंडपीठ द्वारा 2013 के बलात्कार के एक आरोप में दोषी पाया गया और उन्हें 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। ये विषय आज इसलिए महत्वपूर्ण है कि इतने दिन गुजर जाने के बाद भी एक भी शब्द कांग्रेस की तरफ से सुनाई नहीं पड़ा है।

न किसी विपक्षी की तरफ से, न ही किसी विपक्षी दल की ओर से और न ही स्वयं को नारी हितों का स्वयंभू रक्षक बताने वाले किसी भी संस्थान की ओर से कुछ सुनाई पड़ा है। यह दर्शाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हो या नारी की प्रताड़ना, इन विषयों पर सोच कितनी एकांगी, एकपक्षीय और पूर्वाग्रहग्रस्त है।

उन्होंने कहा कि ये वही बिजनेस हाउस है, जिसने विचित्र प्रकार का स्टिंग ऑपरेशन किया था। जब अटल जी की सरकार ने जस्टिस फूकन की अध्यक्षता में जांच आयोग का गठन किया, तो यह एक ऐसा अवसर था जब स्टिंग करने वाले ग्रुप ने पूरे टेप्स को वैरिफाई करने के लिए देने से मना कर दिया। इससे ज्यादा संदेह और उत्पन्न नहीं हो सकता।

सरकारी दफ्तरों के चक्कर खत्म

दिल्ली विधानसभा में 'सेवा का अधिकार विधेयक' पेश

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

दिल्लीवासियों को अब सरकारी सेवाएं हासिल करने के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत मिल सकती है। दिल्ली के आईटी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान 'दिल्ली (नागरिकों का समय पर और आसानी से सेवाएं पाने का अधिकार) विधेयक, 2026' विधानसभा में पेश किया। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य नागरिकों को सरकारी सेवाएं तय समय-सीमा में, पारदर्शी तरीके से और बिना अनावश्यक भागदौड़ के उपलब्ध कराना है। यह विधेयक वर्ष 2011 के कानून का स्थान लेगा। प्रस्तावित कानून के तहत प्रत्येक नागरिक को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सरकारी सेवा प्राप्त करने का कानूनी अधिकार मिलेगा। आवेदन प्रक्रिया को अधिक डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक आवेदन को एक विशिष्ट आवेदन संख्या दी जाएगी। इसके माध्यम से नागरिक घर बैठे अपने आवेदन की स्थिति की जानकारी ऑनलाइन ले सकेंगे।

विधेयक में व्यवस्था की गई है कि यदि किसी नागरिक को निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध नहीं कराई जाती है, तो उसका आवेदन स्वतः वरिष्ठ अधिकारी के पास पहुंच जाएगा। इसे स्वचालित उच्चस्तरीय प्रेषण की व्यवस्था के रूप में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य सेवा में अनावश्यक देरी को रोकना और अधिकारियों की जवाबदेही तय करना है। बिना उचित कारण सेवा में देरी करने या गलत तरीके से आवेदन खारिज करने वाले अधिकारियों पर आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है। ऐसे अधिकारी पर 250 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अधिकतम 5,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। गलत तरीके से आवेदन अस्वीकार करने पर भी 250 से 5,000 रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है।

छात्र आंदोलनों पर सदन में चर्चा को तैयार सरकार, विपक्ष से मांगा सहयोग : रिजिजू

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

संसद के मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि सरकार छात्र आंदोलनों और उनसे जुड़ी गतिविधियों पर सदन में विस्तार से चर्चा के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने विपक्ष से अपील की कि चर्चा और सरकार के जवाब के दौरान सदन में किसी तरह की बाधा न डाली जाए और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बयान सुना जाए।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार का प्रस्ताव स्पष्ट है। उनके मुताबिक, छात्र आंदोलनों से जुड़े हर पहलू पर चर्चा की जा सकती है और सरकार सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है।

उन्होंने विपक्ष से कहा कि एक बार चर्चा शुरू होने के बाद मुद्दे के सभी पहलुओं पर विस्तार से बात होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि चर्चा के दौरान सदन का ध्यान भटकाने या गृह मंत्री के बयान को रोकने की कोशिश न की जाए। किरेन रिजिजू ने कहा, विपक्ष हर मुद्दे पर बोल रहा है। राम मंदिर के मुद्दे पर मैं बस इतना ही कहना चाहता हूं कि एसआईटी के गठन के साथ ही यूपी सरकार की कार्रवाई और कई अन्य कदम उठाए गए हैं। इसलिए, मैं अभी उस मामले पर और कुछ नहीं कहना चाहता।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

एलजी संधू ने किया सरदार तेजा सिंह समुंदरी की विरासत को नमन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने अमृतसर स्थित गुरु नानक देव विश्वविद्यालय में आयोजित नाटक 'सेवा संग्राम दे राह दसरे' में शिरकत की। यह नाटक उनके दादा सरदार तेजा सिंह समुंदरी के प्रेरणादायक जीवन और उनकी विरासत पर आधारित है। संधू ने उनके शहादत दिवस के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उनके संघर्ष और योगदान को याद किया। तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि सरदार तेजा सिंह समुंदरी ने राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक अधिकारों के संघर्ष में दूरदर्शी नेतृत्व दिया। उनके संघर्ष ने उस ऐतिहासिक आंदोलन में योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप आगे चलकर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

उन्होंने कहा कि सरदार तेजा सिंह समुंदरी का योगदान केवल राजनीतिक और धार्मिक अधिकारों के संघर्ष तक सीमित नहीं था। उन्होंने जीवनभर शिक्षा के प्रसार, महिलाओं के सशक्तिकरण और दलितों के उत्थान के लिए भी काम किया। उनके कार्य समानता और मानवीय गरिमा में उनके गहरे विश्वास को दशार्ते हैं। 'संपूर्ण गुरसिख' के रूप में किया गया वर्णन संधू ने कहा कि सरदार तेजा सिंह समुंदरी को मास्टर तारा सिंह ने 'संपूर्ण गुरसिख' के रूप में वर्णित किया था। उनका जीवन विनम्रता, साहस, त्याग और निस्वार्थ सेवा का उदाहरण रहा। उनके विचार और कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

बुजुर्ग के नाम वर्चुअल कार्ड बना खाते से निकाले 3.21 लाख रुपये

गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 अगस्त । नगर कोतवाली क्षेत्र के कालका गढ़ी निवासी एक बुजुर्ग के खाते से साइबर ठगों ने 3.21 लाख रुपये निकाल लिए। आरोप है कि शातिरों ने बैंक एप से वर्चुअल कार्ड बनाकर ठगी को अंजाम दिया। ठगी का पता चलने पर मामले में वेद प्रकाश रवि ने नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। शिकायत में वेद प्रकाश रवि ने बताया कि वह पेंशनधारक हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में उनका खाता है। उनका कहना है कि शातिरों ने उनकी बैंक एप सिस्टम से वर्चुअल कार्ड बनाकर 12 जुलाई से 15 जुलाई के बीच खाते से 3.21 लाख रुपये निकाल लिए। 15 जुलाई को स्टेटमेंट निकालने पर उन्हें इसका पता चला। ठगी का पता चलने पर उन्होंने तुरंत ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई और फिर नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय का कहना है कि मामले में 6 अगस्त को केस दर्ज कर लिया गया है। ठगी गई रकम को फ्रीज कराने का प्रयास किया जा रहा है।

चोरी के शक में सुरक्षाकर्मी ने किशोर की गोली मारकर हत्या की

साहिबाबाद, यूटर्न/ 10 अगस्त । सरिया चोरी के शक में अर्थला स्थित निमार्णाधीन इमारत के एक सुरक्षा गार्ड ने अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से 17 वर्षीय समीर को गोली मार दी। अस्पताल में उपचार के दौरान चिकित्सकों ने किशोर को मृत घोषित कर दिया, उसके शरीर पर 15 से 20 छर्रे के निशान मिले हैं। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सुरक्षा गार्ड को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अर्थला की नीलमणि कॉलोनी में रहने वाले नबी अहमद परिवार के साथ रहते हैं। वह ऑटो रिक्शा चलाते हैं। परिवार में उनके तीन यूसुफ, समीर (17) और अर्शिल हैं। समीर लखनऊ में एक ठेकेदार के साथ वेल्डिंग का काम करता था। मृतक के बड़े भाई यूसुफ ने बताया कि समीर को ठेकेदार ने एक महीने की छुट्टी दी हुई थी, जिससे वह घर पर ही था। भाई का कहना है कि समीर रील बनाने के इरादे से निमार्णाधीन इमारत में गया था। यूसुफ ने पुलिस को बताया कि उन्होंने दो दिन पहले ही समीर को नया मोबाइल दिलाया था। शनिवार रात वह बाइक टैक्सी चलाने गए और सुबह करीब 11 बजे लौटे तो उन्हें भाई को गोली मारे जाने की सूचना मिली। सूचना पाकर वह अपने ताऊ के बेटे फहीम को लेकर मौके पर पहुंचे।

कूड़ा प्रबंधन और आवारा पशुओं पर विजेंद्र गुप्ता सख्त, अधिकारियों को दिए निर्देश

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त**

दिल्ली की सड़कों पर कूड़ा प्रबंधन और आवारा पशुओं से जुड़ी नागरिक समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने दोनों मामलों को एमसीडी संबंधी विशेष समिति को सौंप दिया है। उन्होंने कूड़ा प्रबंधन के मामले में एमसीडी आयुक्त को समिति के समक्ष उपस्थित होकर सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जवाब देने और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली नगर निगम को कूड़ा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। समिति के समक्ष निगम को मौजूदा कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था और उसमें किए गए सुधारात्मक उपायों का विस्तृत ब्योरा देना होगा। कूड़ा प्रबंधन का मुद्दा विधायक डॉ. अनिल गोयल ने नियम 280 के तहत विधानसभा में उठाया। उन्होंने कूड़ा जमा होने वाले स्थानों, खुले कूड़ेदानों, पर्याप्त तरीके से कूड़ा न उठाए जाने और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को सदन के सामने रखा। विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जहां कूड़ा संग्रहण का काम करने वाले कर्मचारी अपेक्षित तरीके से काम नहीं कर रहे हैं, वहां उनके प्रदर्शन और जवाबदेही की भी जांच होनी चाहिए। आवारा पशुओं का मुद्दा विधायक हरीश खुराना ने उठाया। उन्होंने दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में सड़कों पर लगातार छोड़े जा रहे आवारा पशुओं की समस्या को सदन के सामने रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अनधिकृत डेयरी संचालक दूध निकालने के बाद पशुओं को सड़कों पर छोड़ देते हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सड़कों पर खुले में घूम रहे पशु दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं और इससे आम लोगों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह पशुओं को सड़कों पर छोड़ा जा रहा है, उससे किसी संगठित व्यवस्था की आशंका नजर आती है और मामले की गंभीर जांच जरूरी है। आवारा पशुओं की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है।

माटी उवाच का लोकार्पण सम्पन्न

जनजातीय जीवन-दर्शन एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर हुआ सार्थक विमर्श

» **अश्विनी वालिया**

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 10 अगस्त । प्रोफेसर हिम्मत सिंह सिन्हा स्मृति न्यास के तत्वावधान में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. कुमुद रामानन्द बंसल की नवीनतम कृति 'माटी उवाच' का लोकार्पण समारोह शनिवार को कुरुक्षेत्र में गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में साहित्यकारों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों एवं साहित्यप्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री मुकेश गर्ग, सदस्य (न्यायिक), हरियाणा विद्युत नियामक आयोग, पंचकूला ने कहा कि आज जब मनुष्य अपनी जड़ों, प्रकृति और सांस्कृतिक मूल्यों से निरंतर दूर होता जा रहा है, ऐसे समय में 'माटी उवाच' जैसी कृतियाँ अत्यंत प्रासंगिक हो उठती हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल जनजातीय जीवन का साहित्यिक चित्रण नहीं करती, बल्कि भारतीय संस्कृति के उस पक्ष को सामने लाती है जहाँ मनुष्य और प्रकृति परस्पर पूरक हैं। उन्होंने कहा कि लेखिका ने जनजातीय समाज की जीवन-पद्धति, श्रम-संस्कृति, सामुदायिक चेतना और मानवीय मूल्यों को अत्यंत संवेदनशीलता से अभिव्यक्त किया है। यह कृति समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति पुनः जागरूक करने तथा नई पीढ़ी को भारतीय जीवन-दर्शन से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करेगी।

मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. लाल चन्द गुप्त 'मंगल' ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'माटी उवाच' में भारतीय जनजातीय जीवन अपनी सम्पूर्ण संवेदना और स्वाभाविक गरिमा के साथ उपस्थित हुआ है। यह केवल कहानियों का संग्रह नहीं, बल्कि मनुष्य, प्रकृति और संस्कृति के त्रिवेणी संबंध का सशक्त साहित्यिक आख्यान है। उन्होंने कहा कि लेखिका ने बिना किसी कृत्रिमता के जनजातीय समाज की जीवन-दृष्टि, प्रकृति के प्रति उनके सम्मान, पारस्परिक सहयोग तथा मानवीय मूल्यों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है।

आज का समाज जिस तनाव, अकेलेपन और मानसिक असंतुलन से जूझ रहा है, उसके बीच यह पुस्तक जीवन को प्रकृति के निकट ले जाने का सार्थक संदेश देती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कृति समकालीन हिन्दी कथा-साहित्य में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगी।

बॉलीवुड अदाकारा मंदाकिनी से सम्मानित हुए समाजसेवी सोनू सेठी

पिछले दिनों कांगड़ा में हुए एक बच्चों के डांस कंपटीशन में पिछले 19 सालों से जीरकपुर डेरा बस्सी हल्के में चार फ्री एम्बुलेंस सेवा, सैकड़ो लावारिस डेडबॉडी के संस्कार,सैकड़ो मंद बुद्धि लोगों को मंदबुद्धि आश्रम में छोड़कर आना व इलाके में हजारों पौधे लगाने की एवज में सम्मानित किया गया। इस मौके पर सोनू सेठी ने स्टेज पर मंदाकिनी जी की तारीफ करते हुए उनकी 40 साल पहले आई हुई फिल्म राम तेरी गंगा मैली का जिक्र करते हुए कहा कि उस वक्त हमारी उम्र 10 साल थी और हम स्कूल के सालाना फंक्शन में इनके गानों पर डांस किया करते थे आज हमें बड़ा गर्व हो रहा है आज उन्हीं से हम सम्मानित हो रहे हैं इस मौके पर सोनू सेठी ने कहा की दुनिया में सबसे बड़ा धर्म है इंसानियत हमें धर्म के झगड़े छोड़कर इंसानियत का साथ देना चाहिए इतनी बात सुनकर गदगद भरे हाल में तालिया की गड़गड़ाहट सुनाई देने लगी

केंद्रीय ट्रेड यूनियन - संयुक्त किसान मोर्चा के आ'ान पर जेल भरो सत्याग्रह में दी गिरफ्तारियां , रिहा

जेल भरो सत्याग्रह में विभिन्न सरकारी विभागों की कर्मचारी यूनियन, किसान, मजदूर , यूनियन व महिलाओं, संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया

» **निर्मल सिंह विर्क**

पानीपत, यूटर्न/ 10 अगस्त । अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन के ऐतिहासिक दिन वर्तमान समय में सत्ता पर बैठे काले अंग्रेजों भारत छोड़ो, जो हिटलर की चाल चलेगा, वह कुत्ते की मौत मरेगा नारे के साथ प्रदर्शनकारी भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र की तमाशा सरकार की किसान -मजदूर -जन विरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों -संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त देशव्यापी आ'ान पर जेलभरो/सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत हजारों की संख्या में किसान मजदूर संगठनों के कार्यकर्ताओं ने शहर में विरोध प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय पर सामूहिक रूप से दी गिरफ्तारियां । जिला प्रशासन के पास गिरफ्तारी को लेकर केवल दो ही बसे मौजूद थी। प्रदर्शनकारियों संख्या के अनुसार कम से कम 50 बसों की जरूरत थी। मजबूरीवश पानीपत एसडीएम, ड्यूटी मजिस्ट्रेट तहसीलदार, डीएसपी पानीपत उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में सामूहिक गिरफ्तारियां की गई और निजी मुचलके के पर रिहा करने के आदेश दिए गए। गिरफ्तारी देने में बहुमत संख्या महिलाओं की थी।

*कार्यक्रम में शामिल संगठन होने वाले मजदूर संगठन सीटू से संबंधित यूनियन है जिसमें आशा वर्कर यूनियन, मिड डे मील वर्कर्स यूनियन, आंगनवाड़ी वर्कर्स यूनियन, क्रैच वर्कर यूनियन, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन, इंडस्ट्रियल वर्कर यूनियन पानीपत, अखिल भारतीय किसान सभा, अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन, मजदूर संगठन ऐटक, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित नगर पालिका कर्मचारी संघ, फायर ब्रिगेड कर्मचारी यूनियन, बिजली बोर्ड, पब्लिक हेल्थ, हुडा विभाग कर्मचारी यूनियन, पशुपालन विभाग, रिटायर्ड कर्मचारी संघ। जेलभरो/सत्याग्रह कार्यक्रम का नेतृत्व सीटू राज्य सचिव एवं संयुक्त किसान मोर्चा के जिला सह संयोजक सुनील दत्त, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक, जिला सचिव राजपाल, आशा वर्कर यूनियन की जिला प्रधान बंटी, सचिव सुशीला, मिड डे मील वर्कर यूनियन की जिला प्रधान निर्मल अहलावत , क्रैच वर्कर यूनियन की जिला प्रधान नूतन , इंडस्ट्रियल वर्कर यूनियन के पानीपत के प्रधान जय भगवान, आदि ने किया।

कंडेला खाप के सामाजिक सरोकारों से जुड़े निर्णय स्वागतयोग्य : सुरेश गोयल धूप वाला

» **हरियाणा, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री सुरेश गोयल धूप वाला ने कंडेला खाप की 23 खापों की महापंचायत में पारित सामाजिक प्रस्तावों का स्वागत करते हुए कहा कि समाज में बढ़ती कुरीतियों, नशे की प्रवृत्ति और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के बीच इस प्रकार के विमर्श समय की आवश्यकता हैं।

सुरेश गोयल धूप वाला
पूर्व जिला महामंत्री व मीडिया प्रभारी भाजपा जिला हिसार

जारी प्रेस वक्तव्य में उन्होंने कहा कि महापंचायत में लिव-इन रिलेशनशिप का विरोध, नशे के विरुद्ध गांव-गांव समितियों के गठन, दहेज प्रथा एवं मृत्यु भोज जैसी सामाजिक बुराइयों पर अंकुश लगाने तथा इंटरनेट मीडिया पर बढ़ती अश्लीलता को लेकर व्यक्त की गई चिंता समाजहित में एक सकारात्मक पहल है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और सामाजिक मर्यादाओं से जोड़ने के लिए व्यापक जनजागरण आवश्यक है। सुरेश गोयल ने कहा कि महापंचायत में समलैंगिक संबंधों तथा एक ही गांव अथवा पड़ोसी गांव में विवाह के संबंध में भी प्रस्ताव पारित किए गए, जो खाप प्रतिनिधियों के सामाजिक दृष्टिकोण को व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि समगोत्र विवाह के विषय में भी खापें लंबे समय से अपना मत रखती रही हैं। उनके अनुसार, भारतीय समाज की पारंपरिक व्यवस्था परिवार, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक निरंतरता को ध्यान में रखकर विकसित हुई है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति परिवर्तन की विरोधी नहीं, बल्कि समयानुकूल सुधार की समर्थक रही है। जब भी किसी परंपरा में परिवर्तन की आवश्यकता महसूस हुई, तब देश के अनेक समाज सुधारकों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। इसलिए आवश्यक है कि आधुनिकता को अपनाते हुए भी भारतीय जीवन-मूल्यों, पारिवारिक संस्कारों और सामाजिक उत्तरदायित्वों को अक्षुण्ण रखा जाए।

पत्रकारों के हितों के लिए सरकार उठा रही अनेक कदम : अशोक छाबड़ा

पत्रकार ग्राउंड लेवल पर रिपोर्टिंग कर सच्चाई को सामने लाएं, निस्वार्थ भावना से करें पत्रकारिता

» **राजेश सलूजा**

हरियाणा, यूटर्न/ 10 अगस्त । प्रदेश सरकार पत्रकारों के कल्याण और उनके हितों की सुरक्षा के लिए निरंतर अनेक नीतियां एवं योजनाएं लागू कर रही है। पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और सरकार पत्रकारों से जुड़े विषयों को गंभीरता से लेते हुए उनके कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। यह बात मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक छाबड़ा ने खेड़ी चोपटा स्थित वर्धमान प्लेस में हिंदुस्तान प्रेस क्लब, नारनौंद की ओर से आयोजित हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (ट्रेड रजिस्टर्ड) के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। अशोक छाबड़ा ने कहा

कि प्रदेश सरकार की ओर से पत्रकारों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक आयु के पात्र पत्रकारों को पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। इसके अलावा पत्रकारों के लिए 10 लाख रुपये तक के बीमा कवर की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग पर भी सरकार गंभीरता से विचार कर रही है और इस संबंध में ड्राफ्ट तैयार किया जा चुका है। अशोक छाबड़ा ने पत्रकारों का आ'ान किया कि वे ग्राउंड लेवल पर जाकर तथ्यों के आधार पर रिपोर्टिंग करें और सच्चाई को सामने लाएं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण है। किसी भी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसके तथ्यों की पूरी तरह जांच-पड़ताल की जानी चाहिए। पत्रकारों को अफवाहों और अपुष्ट सूचनाओं से बचते हुए निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है और इस आईने में वही तस्वीर दिखाई देनी चाहिए, जो वास्तविकता पर आधारित हो।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारी को युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश, प्रमुख सचिव ने इंडिया एक्सपो मार्ट का किया निरीक्षण

» **ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 10 अगस्त**

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट एंड सेंटर में सोमवार को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चतुर्थ संस्करण की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव, एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग, शशि भूषण लाल सुशील ने आयोजन स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन से जुड़े सभी लंबित कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर अंतिम रूप दिया जाए। प्रमुख सचिव ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, व्यापारिक, सांस्कृतिक और हस्तशिल्प क्षमता को देश और दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। इस आयोजन के माध्यम से प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), ओडीओपी उत्पादों, हस्तशिल्प, हथकरघा, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, सेवा क्षेत्र तथा विभिन्न औद्योगिक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर मिलता है।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने अब तक की गई तैयारियों की जानकारी प्रमुख सचिव के सामने रखी। उन्होंने निर्देश दिए कि आयोजन में देश-विदेश से आने वाले उद्यमियों, निवेशकों, खरीदारों, प्रतिनिधियों और आम आगंतुकों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। इसके लिए आयोजन स्थल पर आवागमन, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली आपूर्ति, अग्निशमन, चिकित्सा सुविधा, साइनेज और सूचना केंद्र जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाए।

पत्रकारों को मिले रेल किराए में छूट और सुरक्षा का अधिकार : आइडियल पत्रकार संगठन

» **कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

आइडियल पत्रकार संगठन (कार्य क्षेत्र संपूर्ण भारत) की राष्ट्रीय कोर कमेटी ने रेलवे में पत्रकारों को मिलने वाली किराए में छूट को पुनः बहाल करने और देश भर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की है। आइडियल पत्रकार संगठन ने भारत सरकार एवं रेल मंत्रालय से पत्रकारों के कल्याण से जुड़े इन प्रमुख मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की मांग उठाते हुए अविलंब इस पर कार्रवाई करने की मांग की है। आइडियल पत्रकार संगठन ने देश भर के पत्रकारों के हित और कल्याण को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार से 'पत्रकार रेल किराया छूट' (उड्ढल्ली२२ड्ढल्ल) को तत्काल प्रभाव से पुनः शुरू करने की पुरजोर मांग की है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि कोरोना काल के दौरान बंद की गई यह सुविधा अब तक बहाल न होना अत्यंत चिंताजनक है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी जान जोखिम में डालकर देश के कोने-कोने से खबरें कवर करने वाले पत्रकारों के लिए यह रियायत बेहद जरूरी है। आइडियल पत्रकार संगठन की मुख्य मांगें और बिंदु शामिल हैं। मान्यता प्राप्त और फील्ड में काम करने वाले सभी कार्यरत पत्रकारों को रेल यात्रा में पूर्व की भांति किराए में रियायत दी जाए।

पत्रकार सुरक्षा कानून (खड्ढ४१ल्ल्'२३ ढ१ड्ढ३ड्ढल्ल ॠ३): संपूर्ण भारत में पत्रकारों पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया जाए।

कल्याणकारी योजनाएं एवं बीमा: देश के सभी राज्यों के पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य बीमा और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं लागू हों।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा की अगुवाई में बरवाला में निकली तिरंगा यात्रा

भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष से गूंजा शहर, नागरिकों ने दिया राष्ट्रप्रेम व एकता का संदेश

हरियाणा, यूटर्न/ 10 अगस्त । लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा की अगुवाई में सोमवार को बरवाला में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। ब्राह्मण धर्मशाला से शुरू हुई यह यात्रा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए शहीद भगत सिंह चौक पहुंची। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में नागरिकों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान पूरा शहर तिरंगामय नजर आया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष के साथ नागरिक आगे बढ़ रहे थे। देशभक्ति से ओतप्रोत वातावरण ने सभी में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि देश की आन-बान और शान का प्रतीक तिरंगा प्रत्येक भारतीय के गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को और प्रबल करना है। इसी उद्देश्य से प्रदेशभर में 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक राष्ट्रीय पर्व ही नहीं, बल्कि उन वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को स्मरण करने का अवसर भी है, जिनके संघर्ष से देश को आजादी मिली। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी भावना व्यक्त करें।

तिरंगा यात्रा के दौरान नागरिकों में खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रा में शामिल लोगों ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया और हर घर तिरंगा अभियान को पूरे उत्साह के साथ मनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर चेयरमैन रमेश चंद्र बैटरीवाला, प्रवीण सैनी, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, रणधीर धीरू, तारा चंद नलवा, कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, रोशन घणघस, पार्षद ओ पी मालिया, मोनू सन्दूजा, देवेन्द्र शर्मा सहित, रामकेश बंसल, पवन शर्मा, रोहताश दुग्गल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सेवा, समर्पण और उपचार के लिए डॉ. आशीष अनेजा को मिला विराट सम्मान

कुरुक्षेत्र से हरियाणा के एकमात्र चिकित्सक, 'फैलोशिप इन डायबिटीज एंड कार्डियो मेटाबोलिक प्रैक्टिस-2026' से सम्मानित

» **प्रमोद कौशिक**

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 10 अगस्त । आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और निःस्वार्थ भाव से चिकित्सा सेवा करने के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के प्रशासक एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष अनेजा को प्रतिष्ठित ''फैलोशिप इन डायबिटीज एंड कार्डियो मेटाबोलिक प्रैक्टिस-2026'' से सम्मानित किया गया।

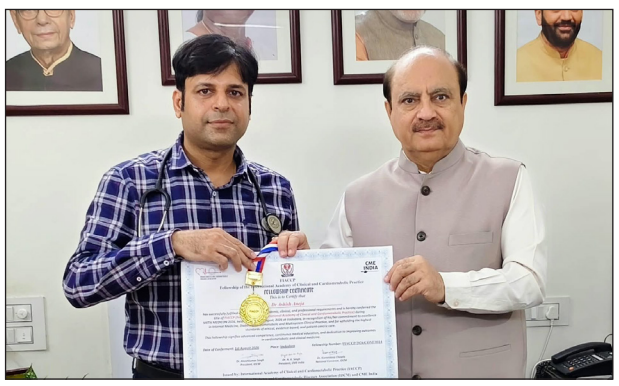

ऑल इंडिया डायबिटीज एवं कार्डियो मेटाबोलिक एसोसिएशन के भव्य समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। विशेष बात यह रही कि इस फैलोशिप के लिए ''हरियाणा से डॉ. आशीष अनेजा एकमात्र चिकित्सक'' चुने गए। डॉ. अनेजा की इस उपलब्धि पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु ''प्रो. सोमनाथ सचदेवा'' ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि आमजन की सेवा के प्रति डॉ. अनेजा का समर्पण और निरंतर प्रयास अनुकरणीय है।

नाबालिक द्वारा एक व्यक्ति को टक्कर मारने को लेकर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट ने सुनाया, फैसला

» **पानीपत, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

विगत 2024 में मॉडल टाउन थाना क्षेत्र में हुए एक सडक दुर्घटना के केस में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड पानीपत ने नाबालिक युवक द्वारा एक व्यक्ति को टक्कर मारकर उसे घायल करने को लेकर उस युवक को सीख देने वाली सजा दी है। यह फैसला उसे स्वयं भी ट्रैफिक नियमों को लेकर जागरूक ही नहीं करेगा बल्कि यह दूसरों के लिए भी नजीर पेश करेगा। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट पुनीत लिंबा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2024 में स्थानीय दत्ता कॉलोनी के एक व्यक्ति जतिन को असंध रोड पर एक नाबालिक ने उस समय टक्कर मारकर घायल कर दिया जब वह व्यक्ति अपनी नौकरी से रात 8 बजे अपने घर की ओर लौट रहा था। इस दुर्घटना में उसे काफी चोट लगी थी। उसी को लेकर यह केस मॉडल टाउन थाना के माध्यम से जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष गया था। उन्होंने बताया कि उस समय बच्चे की आयु 17 वर्ष थी और चूंकि वह नाबालिग था इसीलिए उसे सजा के तौर पर 3 महीने का समय ट्रैफिक पुलिस के साथ बिताने के लिए कहा गया है। ताकि वह खुद ट्रैफिक नियमों को सीखे और दूसरों को भी सिखाए। उन्होंने बताया कि सडक दुर्घटनाएँ केवल एक क्षण की लापरवाही का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि कई बार इनके पीछे यातायात नियमों की अनदेखी, तेज रफ्तार, बिना लाइसेंस वाहन चलाना और उम्र से पहले वाहन चलाने जैसी गंभीर वजहें होती हैं। जब ऐसी गलती किसी नाबालिग से होती है और उसके कारण किसी व्यक्ति के साथ दुर्घटना हो जाती है, तो मामला और भी संवेदनशील हो जाता है। इसमें कानून के साथ-साथ बच्चे के भविष्य और समाज की सुरक्षा का भी ध्यान रखना आवश्यक होता है। जस्टिस पुनीत लिंबा ने बताया कि मामले में जुवेनाइल कोर्ट द्वारा नाबालिग को यातायात नियमों का पालन करने की सीख और दायित्व से जोड़ते हुए आदेश दिया गया। इस तरह के मामलों में न्याय का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि नाबालिग को उसकी गलती का एहसास कराकर उसे जिम्मेदार नागरिक बनाना भी होता है। नाबालिग अवस्था सीखने और संस्कार ग्रहण करने की उम्र होती है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

झारखंड का छात्र आंदोलनः सवाल सिर्फ परीक्षा का नहीं, व्यवस्था के भरोसे का है

संदीप शर्मा

दिल्ली के जंतर-मंतर के बाद अब झारखंड की राजधानी रांची भी छात्र आंदोलनों का बड़ा केंद्र बनती नजर आ रही है। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 25 जुलाई से जारी छात्र आंदोलन ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं की बढ़ती बेचैनी को सामने ला दिया है। लंबे समय से मेहनत कर रहे लाखों अभ्यर्थियों के बीच जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों का आरोप है कि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली, पेपर लीक और कई स्तरों पर अनियमितताएं सामने आई हैं। उनका कहना है कि इन गड़बड़ियों ने वर्षों की मेहनत, समय और उनके भविष्य को प्रभावित किया है। छात्रों ने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई है। उनकी प्रमुख मांग है कि संदिग्ध परीक्षाओं को रद्द कर मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराई जाए। साथ ही, दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। आंदोलन के जरिए छात्र सरकार और संबंधित एजेंसियों से पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। यह आंदोलन महज कुछ परीक्षाओं को लेकर छात्रों का आक्रोश नहीं है। इसके भीतर उस व्यवस्था के प्रति अविश्वास दिखाई देता है, जिसमें एक सामान्य मध्यमवर्गीय या गरीब परिवार का युवा वर्षों तक किताबों के बीच अपना जीवन खपा देता है। वह सरकारी नौकरी को केवल रोजगार नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, परिवार के भविष्य और अपनी मेहनत की सफलता का माध्यम मानता है। ऐसे में यदि उसे यह महसूस होने लगे कि परीक्षा में उसकी मेहनत से ज्यादा प्रभाव किसी लीक, सिफारिश, भ्रष्टाचार या प्रशासनिक लापरवाही का है, तो समस्या केवल एक परीक्षा की नहीं रहती; वह लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता का प्रश्न बन जाती है।

छात्रों की प्रमुख मांगों में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच, प्रभावित परीक्षाओं—जिनमें 14वीं जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल जैसी परीक्षाओं का उल्लेख किया जा रहा है—की निष्पक्ष समीक्षा तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें रद्द कर दोबारा आयोजित करना शामिल है। छात्र यह भी चाहते हैं कि परीक्षा संचालन प्रणाली को पारदर्शी बनाया जाए और जिन लोगों की भूमिका अनियमितताओं में सामने आती है, उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई हो। सवाल यह है कि सरकार इस आक्रोश को केवल आंदोलन मानकर देखेगी या इसे व्यवस्था में सुधार का अवसर बनाएगी? प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाला छात्र यदि एक उत्तर गलत लिख देता है तो उसका परिणाम बदल सकता है। लेकिन जब परीक्षा व्यवस्था में ही गंभीर त्रुटि हो जाए तो हजारों छात्रों के परिणाम बदल जाते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि छात्र की गलती के लिए कोई माफी नहीं होती, जबकि व्यवस्था की गलती का खामियाजा वर्षों तक छात्रों को भुगतना पड़ता है। एक छात्र परीक्षा के लिए वर्षों तैयारी करता है। महंगी कोचिंग लेने की क्षमता न हो तो वह पुस्तकालय, हॉस्टल, किराए के कमरे या घर के एक छोटे से हिस्से में बैठकर तैयारी करता है। कई छात्र उम्र की सीमा के कारण अंतिम अवसर पर परीक्षा देते हैं। ऐसे में परीक्षा के बाद यदि पेपर लीक, प्रश्नपत्र की गोपनीयता, उत्तर पुस्तिका, परिणाम या चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठते हैं तो उस छात्र की स्थिति को समझना आवश्यक है।उसके लिए यह सिर्फ एक परीक्षा नहीं है। उसके पीछे उसके माता-पिता की उम्मीदें, परिवार की आर्थिक परिस्थितियां और उसके जीवन के कई वर्ष जुड़े होते हैं। यही कारण है कि सरकार को छात्रों के आक्रोश को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय प्रशासनिक और मानवीय दृष्टि से देखना चाहिए। छात्रों की सबसे प्रमुख मांग सीबीआई जांच की है। यहां सरकार के सामने दोहरी चुनौती है। पहली चुनौती यह तय करना कि क्या मौजूदा जांच व्यवस्था छात्रों का विश्वास हासिल करने में सक्षम है। दूसरी चुनौती यह है कि यदि सरकार को अपनी जांच पर पूरा भरोसा है तो उसे जांच की पारदर्शिता को लेकर छात्रों की आशंकाओं का समाधान कैसे करना है। बताया गया है कि झारखंड सीआईडी कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है। जांच के दौरान जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते से पूछताछ की गई है और अब तक 19 लोगों की गिरफ्तारी की बात सामने आई है। यदि जांच में गिरफ्तारियां हुई हैं तो यह संकेत है कि मामला प्रशासन के लिए गंभीर है। लेकिन गिरफ्तारी अपने आप में अंतिम निष्कर्ष नहीं होती। असली सवाल यह है कि कथित अनियमितताओं का पूरा नेटवर्क क्या था? प्रश्नपत्र या परीक्षा प्रक्रिया से छेड़छाड़ किस स्तर पर हुई? किसे लाभ मिला? किसने आर्थिक या प्रशासनिक लाभ उठाया? और क्या इसमें कोई संगठित गिरोह शामिल था? सीबीआई जांच की मांग को केवल राजनीतिक दबाव या प्रशासन पर अविश्वास के रूप में खारिज कर देना भी उचित नहीं होगा। यदि छात्रों का एक बड़ा वर्ग किसी जांच एजेंसी पर भरोसा नहीं कर रहा है तो सरकार को उस अविश्वास के कारणों को समझना चाहिए।लोकतंत्र में जांच की निष्पक्षता जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है उसका निष्पक्ष दिखाई देना। छात्रों की मांगों में संदिग्ध अथवा प्रभावित परीक्षाओं को रद्द करने की बात भी है। यह मांग भावनात्मक रूप से समझ में आती है, लेकिन इसके साथ एक कठिन प्रशासनिक प्रश्न जुड़ा है। यदि परीक्षा में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी प्रमाणित होती है तो परीक्षा को रद्द करना आवश्यक हो सकता है। लेकिन यदि केवल कुछ केंद्रों या कुछ अभ्यर्थियों तक अनियमितता सीमित है तो क्या लाखों अभ्यर्थियों की पूरी परीक्षा रद्द कर दी जाए? यह फैसला केवल राजनीतिक दबाव में नहीं, ठोस जांच और प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।...

अमंगल हारी, करुणामयी शिवशक्ति का पावन पर्व है सावन शिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव इन सभी के आराध्य देव रहे हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान शिव को भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता का प्रतीक माना गया है।

भारत में सर्वाधिक महत्व जिस देव का है, वो देवाधिदेव भगवान शिव ही हैं, जो आज भी समूचे भारतवर्ष में उतने ही पूजनीय और वंदनीय हैं, जितने सदियों पहले। देशभर में भगवान शिव की पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है, इसीलिए 'शिवरात्रि' पर्व को भारत में राष्ट्रीय पर्व का दर्जा प्राप्त है। वैसे तो शिवरात्रि हर माह मनती है किन्तु इनमें से फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि की महत्ता सर्वाधिक है। सावन शिवरात्रि प्रायः माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाई जाती है, जिसे भगवान शिव के प्रति भारतीयों की आस्था की प्रतीक 'कांवड़ यात्रा' का समापन दिवस भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन की शिवरात्रि सावन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है और वर्ष यह तिथि 11 अगस्त को प्रातः 4 बजकर 43 मिनट से शुरू होकर 12 अगस्त रात्रि 01 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यह पर्व 11 अगस्त को ही मनाया जाएगा और इसी दिन शिवलिंग का जलाभिषेक होगा। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर ही कांवड़ यात्रा का भी समापन होता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल सावन शिवरात्रि पर चतुर्ग्रही योग बन रहा है और इस दिन कर्क राशि में सूर्य, गुरु, बुध और चंद्रमा एक साथ बैठकर चतुर्ग्रही योग का निर्माण करने वाले हैं।

धार्मिक ग्रंथों में 'शिव' और 'रात्रि' के शाब्दिक अर्थ को परिभाषित करते हुए बताया गया है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो भगवान नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं। 'रात्रि' शब्द 'रा' दानार्थक धातु से बना है अर्थात जो सुखादि प्रदान करती है, वह 'रात्रि' है। रात्रि सदा आनन्ददायिनी होती है, अतः सबकी आश्रयदात्री होने के कारण उसकी स्तुति की गई है। इस प्रकार शिवरात्रि का अर्थ है, वह रात्रि, जो आनंद देने वाली है, जिसका शिव नाम के साथ विशेष संबंध है।

भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव इन सभी के आराध्य देव रहे हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान शिव को भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता का प्रतीक माना गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में यही उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं। कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त करने के लिए उन्हें अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी। इस बारे में कहा गया है कि भगवान विष्णु जब शिव को प्रसन्न करने के लिए 1008 कमल के फूलों से उनका अभिषेक कर रहे थे, तब आखिर में एक कमल कम रह गया। इस पर भगवान विष्णु ने तुरंत कटार से अपनी एक आंख निकाली और कम रहे कमल के स्थान पर शिव को अपनी आंख अर्पित कर दी। इससे शिव विष्णु पर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने भगवान विष्णु को अपना दिव्य मंत्र प्रदान कर दिया....

चुनौती गांधी को स्मृति से निकालकर सार्वजनिक नैतिकता में लौटाने की

कुमार कृष्णन

अंग प्रदेश की धरती पर महात्मा गांधी के प्रथम आगमन के सौ वर्ष पूरे होने का अवसर केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं था। 7 से 9 अगस्त 2026 तक भागलपुर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय समारोह ने गांधी की स्मृति को इतिहास, विचार, लोक-संस्कृति और वर्तमान सामाजिक जीवन से जोड़ने की कोशिश की। गांधी शांति प्रतिष्ठान केंद्र, भागलपुर और महात्मा गांधी आगमन शताब्दी समारोह समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में गांधीवादी चिंतक, शिक्षाविद, शोधार्थी, विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता और शहर के नागरिक शामिल हुए। समारोह का सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही था कि सौ वर्ष बाद गांधी हमारे लिए केवल स्मारक और स्मृति हैं या आज भी सार्वजनिक जीवन को दिशा देने वाली नैतिक शक्ति? समारोह का शुभारंभ सर्वधर्म प्रार्थना, दीप प्रज्ज्वलन और चरखा चलाकर हुआ। गांधीजी तथा स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। इसी अवसर पर 'महात्मा गांधी का आगमन : अंग प्रदेश में' शीर्षक शताब्दी स्मारिका और गांधी ज्ञानकोश का लोकार्पण हुआ। गांधी शांति प्रतिष्ठान केंद्र द्वारा प्रकाशित यह स्मारिका महज आयोजन की स्मृति-पुस्तिका नहीं, बल्कि गांधी और अंग प्रदेश के ऐतिहासिक, सामाजिक और वैचारिक संबंधों को समझने का एक विस्तृत दस्तावेज है।

स्मारिका के संरक्षक प्रकाश चंद्र गुप्ता और प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार हैं। प्रधान संपादक डॉ. सुनील कुमार अग्रवाल और प्रसून लतांत, संपादक मंडल में डॉ. उमेश प्रसाद नीरज और डॉ. रविशंकर कुमार चौधरी तथा प्रबंध संपादक के रूप में डॉ. सुधीर मंडल और ई. सागर शर्मा ने इसकी तैयारी में भूमिका निभाई।

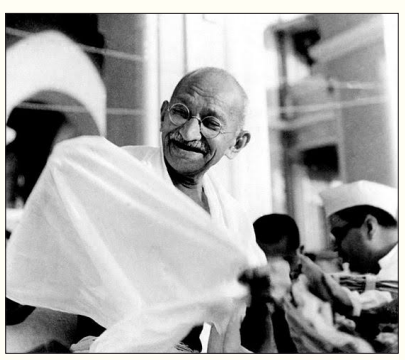

स्मारिका की खासियत विषयों की विविधता है। गांधी को केवल स्वतंत्रता आंदोलन के नेता के रूप में देखने के बजाय महिला सशक्तीकरण, खादी, ग्राम स्वराज, किसान, कृषि, ग्रामीण संकट, नशामुक्ति, सांप्रदायिक सद्भाव, शिक्षा, तकनीक और पर्यावरण जैसे प्रश्नों से जोड़ा गया है। पद्मश्री प्रो. रामजी सिंह का वैचारिक आलेख गांधी को दार्शनिक धरातल पर समझने का अवसर देता है, वहीं राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक उत्तम सिन्हा गांधी की ऐतिहासिक विरासत और अंग प्रदेश से उनके संबंधों को व्यापक संदर्भ में सामने रखते हैं। मेरा आलेख 'बापू के व्रत पर आजीवन अडिग रहे शुभकरण बाबू' गांधीवाद को व्यक्ति के जीवन-संघर्ष और सार्वजनिक नैतिकता से जोड़ने का प्रयास है।

गांधी मजबूरी नहीं, नैतिक शक्ति का नाम

समारोह के मुख्य वैचारिक सत्र में प्रख्यात चिंतक डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल का व्याख्यान विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने गांधी को भारतीय इतिहास के ऐसे व्यक्तित्व के रूप में रेखांकित किया, जिन्होंने अहिंसा, सत्य और नैतिक साहस के बल पर भारतीय जनमानस को एकजुट किया।

उन्होंने कहा कि गांधी को कभी-कभी मजबूरी के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की जाती है, लेकिन इतिहास इसके विपरीत गवाही देता है। गांधी ने किसी प्रशासनिक शक्ति, सैन्य बल या राज्यसत्ता के सहारे लाखों लोगों को आंदोलित नहीं किया। उनकी शक्ति उनके विचारों, नैतिक विश्वसनीयता और जनांदोलन की क्षमता में थी।

डॉ. अग्रवाल के अनुसार गांधी का सबसे बड़ा योगदान यही था कि उन्होंने आम भारतीय को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का सक्रिय सहभागी बनाया। स्वतंत्रता उनके लिए केवल नेताओं और राजनीतिक संगठनों का विषय नहीं थी। किसान, मजदूर, महिला, विद्यार्थी, कारीगर और सामान्य नागरिक—सभी स्वतंत्रता के सहभागी थे। यही गांधी की राजनीति की विशिष्टता थी। उन्होंने जनता को केवल भीड़ नहीं माना; उसे इतिहास का निमार्ता बनाया। डॉ. अग्रवाल की बात समारोह के मूल प्रश्न को भी सामने लाती है। गांधी को समझने के लिए यह देखना होगा कि उन्होंने सत्ता पाने की राजनीति नहीं की, बल्कि समाज को अपनी शक्ति पहचानने की प्रेरणा दी।

भारत के बायोटेक सेक्टर में निजी निवेश बढ़ाने पर जोर, स्वदेशी नवाचारों को वैश्विक पहचान दिलाने की तैयारी: डॉ. जितेंद्र सिंह

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोमवार को भारत के बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी बायोटेक उत्पादों और तकनीकों को उद्योग तथा निवेशकों से मजबूत समर्थन मिलना चाहिए, ताकि प्रयोगशालाओं में विकसित होने वाले नवाचार तेजी से बाजार तक पहुंच सकें और उनका व्यावसायीकरण हो सके।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राष्ट्रीय राजधानी में बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि भारत की वैज्ञानिक क्षमता, उद्योग और निवेशकों के बीच मजबूत तालमेल स्थापित करना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इससे देश में विकसित नई तकनीकों और उत्पादों को तेजी से व्यावसायिक सफलता मिल सकेगी और भारत वैश्विक बायोटेक हब के रूप में उभर सकेगा। बैठक में बीआईआरएसी रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन फंड (बीआईआरएसी-आरडीआईएफ) के क्रियान्वयन, उद्योग की भागीदारी बढ़ाने, लाइफ साइंसेज ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) को भारतीय बायोटेक पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ने, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) निवेश को बढ़ावा देने और बायोटेक स्टार्टअप्स के लिए निवेशकों से बेहतर जुड़ाव जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बयान में कहा गया कि बीआईआरएसी-आरडीआईएफ केंद्र सरकार के 1 लाख करोड़ रुपए के रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआई) फंड का अहम हिस्सा है, जिसका उद्देश्य गहन तकनीकी (डीप-टेक) नवाचारों और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत बायोटेक सेक्टर में तकनीकी रूप से उन्नत और उच्च जोखिम वाले प्रोजेक्ट्स को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

इस फंड के तहत स्टार्टअप्स और उद्योगों को 5 करोड़ रुपए से लेकर 200 करोड़ रुपए तक की सहायता मिल सकेगी। वहीं, कुल परियोजना लागत का 50 प्रतिशत तक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। सहायता बिना गिरवी वाले दीर्घकालिक ऋण, इक्विटी और हाइब्रिड वित्तीय साधनों के रूप में दी जाएगी। सरकार का लक्ष्य निजी निवेश को आकर्षित कर बायोटेक क्षेत्र में बड़े स्तर पर पूंजी निवेश को प्रोत्साहित करना है।

बीआईआरएसी ने इस योजना के प्रभावी संचालन के लिए एक समर्पित आरडीआईएफ डिवीजन भी बनाया है। फरवरी 2026 में शुरू किए गए पहले राष्ट्रीय आवेदन आमंत्रण के तहत अब तक 198 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से शुरूआती 50 प्रस्तावों की जांच पूरी हो चुकी है और अब तक 8 पात्र तकनीकी इकाइयों का चयन किया गया है, जो आगे विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजर रही हैं।

निर्यातकों को बड़ी राहत, डीजीएफटी ने दो प्रमुख योजनाओं में फिजिकल ड्यूटी चालान जमा करने की अनिवार्यता खत्म की

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त

निर्यातकों के लिए कारोबार को और आसान बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एडवांस ऑथराइजेशन (एए) और एक्सपोर्ट प्रमोशन कैपिटल गुड्स (ईपीसीजी) योजनाओं के तहत एक्सपोर्ट ऑब्लिगेशन डिस्चार्ज सर्टिफिकेट (ईओडीसी) प्राप्त करने के लिए फिजिकल ड्यूटी भुगतान चालान जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, अब कस्टम्स और आइसगेट (आईसीईजीएटीई) से प्राप्त लाइसेंस-आधारित स्वैच्छिक ड्यूटी भुगतान संबंधी डेटा को डीजीएफटी की ऑनलाइन प्रणाली के साथ एकीकृत कर दिया गया है। इससे संबंधित भुगतान की प्रमाणिक जांच सीधे संबंधित प्राधिकरण (ऑथराइजेशन) के साथ डिजिटल रूप से की जा सकेगी। नई व्यवस्था के तहत 1 अगस्त 2026 या उसके बाद किए गए स्वैच्छिक ड्यूटी भुगतानों के लिए निर्यातकों को ऑथराइजेशन क्लोजर आवेदन के साथ फिजिकल चालान जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। डीजीएफटी ने बताया कि भुगतान से जुड़ी प्रमाणित जानकारी अब निर्यातकों को डीजीएफटी ग्राहक पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इससे वे आवेदन करने से पहले यह सुनिश्चित कर सकेंगे कि भुगतान सही ऑथराइजेशन के साथ मैप हुआ है या नहीं। इसी तरह, यही प्रमाणित भुगतान रिकॉर्ड डीजीएफटी के क्षेत्रीय कार्यालयों को भी उनके बैक-ऑफिस सिस्टम पर उपलब्ध रहेगा, जिससे भुगतान विवरण की मैन्युअल जांच की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और आवेदन प्रक्रिया तेज होगी।

संक्षिप्त खबरें

डीएलएफ को खुदरा कारोबार में मजबूत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त । देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ अपने खुदरा पोर्टफोलियो को लेकर बेहद आशावादी है। कंपनी को उम्मीद है कि उपभोक्ताओं के मजबूत खर्च और उपभोग में लगातार वृद्धि के दम पर उसका खुदरा कारोबार बेहतर प्रदर्शन जारी रखेगा। डीएलएफ रिटेल की समूह की एक कार्यकारी निदेशक ने बताया कि प्रीमियम पेशकशों और बेहतर गुणवत्ता की बढ़ती मांग के कारण खरीदारों की संख्या (फुटफॉल) कोविड से पहले के स्तर से ऊपर पहुंच गई है और प्रति ग्राहक औसत बिक्री भी बढ़ रही है। उनका मानना है कि गुणवत्तापूर्ण खुदरा बिक्री की मूल मांग मजबूत बनी हुई है। कंपनी ने हाल ही में पश्चिम दिल्ली में मिडटाउन प्लाजा जैसे हाइपरलोकल शॉपिंग सेंटर पेश किए हैं, जिनकी अवधारणा को लेकर काफी उत्साह है। बेक्टर ने कहा कि मिडटाउन प्लाजा, समिट प्लाजा और गोवा के डीएलएफ प्रोमेनेड जैसी तीन नई परियोजनाओं के साथ कंपनी का लक्ष्य अपनी आय में 20 से 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना है। गुड़गांव में 20 लाख वर्ग फुट का मॉल ऑफ इंडिया भी पाइपलाइन में है।

एमएसएमई को अब पैसे के लिए नहीं करना पड़ेगा इंतजार? बदलेगा नियम

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त । संसद ने पारित किया बिल संसद ने 7 अगस्त को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया है। इसका उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र के लिए कानूनी व्यवस्था को मजबूत करना है, विशेषकर भुगतान में देरी की समस्या दूर करना, विवादों का जल्द निपटारा करना, बकाया राशि की आसान वसूली और कारोबार करना आसान बनाना। एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि यह विधेयक छोटे उद्योगों के विकास को बढ़ावा देगा और उन्हें विस्तार करने में मदद करेगा। प्रमुख बदलावों में ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) की व्यवस्था शामिल है, जो सूक्ष्म और छोटे उद्यमों को कम खर्च में विवाद निपटाने में मदद करेगी। मध्यस्थता के लिए 90 दिन की समयसीमा भी निर्धारित की गई है। हालांकि, कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के निदेशक संपतरामन ने इनवॉइस डिस्काउंटिंग पर निर्भरता पर सवाल उठाया और सरकार को बिना कर्ज के सीधे अग्रिम भुगतान की व्यवस्था पर विचार करने का सुझाव दिया।

हवाई अड्डा संचालकों को एयरलाइन चलाने से नहीं रोकती कोई सरकारी नीति: सरकार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त ।

केंद्र सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि ऐसी कोई सरकारी नीति नहीं है जो बड़े हवाई अड्डों के संचालकों को एयरलाइन कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी रखने या उनका संचालन करने से रोकती हो। हालांकि, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित कुछ हवाई अड्डों के समझौतों में स्वामित्व संबंधी कुछ प्रतिबंध मौजूद हैं। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने हवाई अड्डों और एयरलाइनों के बीच क्रॉस-ओनरशिप को लेकर सरकार का पक्ष स्पष्ट किया।

मंत्री ने कहा, 'ऐसी कोई सरकारी नीति नहीं है जो प्रमुख हवाई अड्डों के ऑपरेटरों को एयरलाइनों में पर्याप्त हिस्सेदारी रखने या एयरलाइन संचालन से प्रतिबंधित करती हो।'

हालांकि सरकार ने यह भी बताया कि पीपीपी मॉडल पर विकसित कुछ हवाई अड्डों के लिए किए गए रियायत समझौतों में विशेष प्रावधान शामिल हैं। इन प्रावधानों के तहत अनुसूचित एयरलाइनों या उनसे संबंधित समूह कंपनियों एवं सहयोगी संस्थाओं के लिए हवाई अड्डा संचालन करने वाली कंपनियों में हिस्सेदारी रखने पर कुछ सीमाएं लगाई गई हैं। सरकार के अनुसार, 'पीपीपी मॉडल के तहत संचालित कुछ हवाई अड्डों के मौजूदा अनुबंधों में यह शर्त शामिल है कि अनुसूचित एयरलाइंस या उनसे जुड़ी संस्थाएं कंसेशनायर कंपनियों में इक्विटी हिस्सेदारी नहीं रख सकतीं।'

एयर इंडिया विमान दुर्घटना में पायलट पर साइकोएक्टिव पदार्थ के सेवन का संदेह

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त । नागर विमानन मंत्रालय ने हाल ही में पुष्टि की कि फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान के मुख्य पायलट को साइकोएक्टिव पदार्थ के लिए शुरूआती जांच में संदिग्ध पाया गया है। यह घटना 4 अगस्त को हुई थी, जब हवा में विमान की ऊंचाई अचानक 300 फीट घट गई थी। मंत्रालय अब अंतिम परीक्षण रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एयरबस ए320 उड़ान (संख्या एआई2379) फुकेत से दिल्ली आते समय हवा में लगभग 300 फीट नीचे आ गई थी। हालांकि, बाद में विमान को नियंत्रित कर दिल्ली में सुरक्षित उतार लिया गया। इस घटना के दौरान तीन नवजात शिशुओं सहित 137 यात्री और आठ चालक दल के सदस्य विमान में सवार थे, जिनमें से कुछ यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को चोटें आई थीं। मंत्रालय ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत घटना के बाद उड़ान चालक दल के दोनों सदस्यों की अनिवार्य साइकोएक्टिव पदार्थ की जांच की गई। मुख्य पायलट का नमूना अंतिम पुष्टि के लिए एक तय प्रयोगशाला में भेजा गया है, जिसकी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। इस बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया है। इस घटना को गंभीर श्रेणी में रखा गया है और इसकी जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है।

स्मार्टफोन का भविष्य होगा ज्यादा स्मार्ट, ज्यादा टिकाऊ और अधिक व्यक्तिगत, रियलमी 16 सीरीज दे रही इसकी झलक

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त

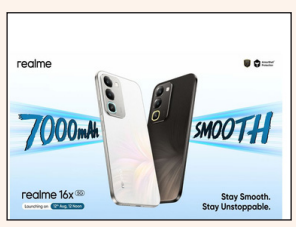

भारत का स्मार्टफोन बाजार तेजी से बदल रहा है। अब लोग सिर्फ कम कीमत या अधिक फीचर्स वाले फोन पर ही ध्यान नहीं देते, बल्कि वे ऐसे स्मार्टफोन की तलाश में रहते हैं जो बेहतर अनुभव, लंबी बैटरी लाइफ, उन्नत कैमरा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स और आकर्षक डिजाइन का संतुलित मिश्रण पेश करें। खासकर युवा उपभोक्ता अब उन सुविधाओं की मांग कर रहे हैं जो पहले केवल प्रीमियम और महंगे स्मार्टफोन्स तक सीमित थीं। हाल ही में हुए एक अध्ययन से पता चलता है कि आज के स्मार्टफोन उपयोगकर्ता एआई-आधारित सुविधाओं, बेहतर कैमरा गुणवत्ता, लंबे समय तक चलने वाली बैटरी, स्टाइलिश डिजाइन और मजबूत टिकाऊपन को प्राथमिकता दे रहे हैं। स्मार्टफोन अब केवल संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह काम, मनोरंजन, कंटेंट क्रिएशन, गेमिंग और रोजमर्रा की जरूरतों का अहम हिस्सा बन चुका है। यह बदलाव ऐसे समय में देखने को मिल रहा है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक चुनौतियां और सप्लाई चेन से जुड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। अनुमान है कि वर्ष 2025 में भारत में करीब 15.1 से 15.3 करोड़ स्मार्टफोन की शिपमेंट होगी। हालांकि यूनिट बिक्री की रफ्तार कुछ धीमी हो सकती है, लेकिन बाजार का कुल मूल्य लगातार बढ़ रहा है।

इसका मतलब है कि उपभोक्ता अब अधिक गुणवत्ता और बेहतर अनुभव वाले स्मार्टफोन्स पर खर्च करने को तैयार हैं। इसी बदलती मांग को ध्यान में रखते हुए रियलमी ने अपनी नंबर सीरीज के जरिए प्रीमियम डिजाइन, उन्नत कैमरा तकनीक, भरोसेमंद बैटरी प्रदर्शन और एआई इंटीग्रेशन को किफायती कीमतों में उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित किया है।

जीईएम ने बदली सार्वजनिक खरीद की तस्वीर, 10 साल में 422 करोड़ से 1.55 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचा कारोबार: पीयूष गोयल

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने सार्वजनिक खरीद की व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने बताया कि एक दशक पहले जहां इस प्लेटफॉर्म का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) केवल 422 करोड़ रुपए था, वहीं आज यह बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए गए एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जीईएम आज देश में पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और डिजिटल सरकारी खरीद प्रणाली का मजबूत आधार बन चुका है। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर 12.28 लाख से अधिक सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एमएसई) पंजीकृत हैं, जिनमें 2.25 लाख से ज्यादा महिला उद्यमियों द्वारा संचालित इकाइयां शामिल हैं। इसके अलावा 42,000 से अधिक स्टार्टअप्स भी इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं।

पीयूष गोयल ने कहा कि यह साबित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जमीनी स्तर पर सशक्तीकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार की वास्तविक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, 'पिछले 10 वर्षों में जीईएम ने प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है, बेहतर मूल्य खोज सुनिश्चित की है, खरीद प्रक्रिया की अवधि को कम किया है, सरकार के लिए बड़ी बचत पैदा की है और एंड-टू-एंड डिजिटल खरीद प्रक्रिया के माध्यम से जवाबदेही को मजबूत किया है।'

मंत्री ने बताया कि जीईएम ने सरकारी खरीद बाजार को एमएसएमई, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), कारीगरों और बुनकरों के लिए अधिक सुलभ बनाया है। साथ ही यह 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' जैसे अभियानों को भी मजबूती दे रहा है।

उन्होंने कहा कि जीईएम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है और 'विकसित भारत' की नींव को मजबूत कर रहा है।

वर्ष 2016 में शुरू किया गया जीईएम अब अपने 11वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्तमान में यह प्लेटफॉर्म 1.37 लाख से अधिक सरकारी खरीदार संगठनों को लगभग 25 लाख विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है। एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, जीईएम अब केवल खरीद-बिक्री का प्लेटफॉर्म नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत के डिजिटल प्रोक्योरमेंट इकोसिस्टम का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है।

संक्षिप्त खबरें

मोबाइल फोन चोरी करने के आरोपी गिरफ्तार

लोनी, यूटर्न/ 10 अगस्त । पुलिस ने चेकिंग के दौरान रविवार सुबह ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र से मोबाइल फोन चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए है। एसीपी लोनी राम किशन ने बताया कि पूछताछ में दोनों ने अपने नाम ऋषभ उर्फ गिल्ली और वीरेंद्र उर्फ वीरू निवासी रामपार्क थाना ट्रोनिका सिटी बताएं हैं। दोनों ने एक मोबाइल आरएमएस बिल्डिंग के पास से चोरी करने बात कही है। मोबाइल को राह चलते लोगों को कम दामों में बेचकर आपस में रुपये बांट लेते।

फंदा लगने से हुई थी महिला की मौत, पुलिस को शिकायत दी

लोनी, यूटर्न/ 10 अगस्त । परमहंस विहार कॉलोनी में महिला रजनी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगने से मौत होना आया है। मृतक के बेटे रमन ने पिता पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौत के बाद ससुराल पक्ष के लोग बिना सूचना दिए अंतिम संस्कार कर रहे थे। रजनी के बेटे ने बताया कि वह सात अगस्त को हरिद्वार गए हुए थे। उनके पिता शंकर ने फोन कर मां की हार्ट अटैक से मौत की सूचना दी थी। देर रात थाने पर पहुंचने पर मामा लोकेश, मामी रितु ने बताया कि पिता व अन्य लोग बिना उन्हें सूचना दिए मां का अंतिम संस्कार करने के लिए लेकर जा रहे थे। मामी की सूचना पर श्मशान घाट पहुंची पुलिस ने अंतिम संस्कार की तैयारियों को रुकवा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया था। पुत्र ने बताया कि पड़ोसियों ने छोटे भाई को मां की मौत की सूचना दी थी। पुत्र ने आरोप लगाया कि मां मकान बेचने का विरोध करती थी। इसी के चलते पिता ने मां की हत्या की है। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाने से मौत होना आया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

युवती की हत्या की आंशका जताई, साथी पर केस

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 10 अगस्त । मैक्स अस्पताल के पास 29 जून को सड़क हादसे में 20 वर्षीय पारुल की मौत हो गई थी। करीब डेढ़ माह बाद पारुल के पिता मुकेश सिंह ने बेटी के साथी आर्यन पर हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने आर्यन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी मुकेश सिंह ने बताया कि 27 जून को पारुल आर्यन के साथ बाइक से आ रही थी। अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मारी। हादसे में पारुल गंभीर घायल हुई, जबकि आर्यन को चोट नहीं आई। पारुल की यशोदा अस्पताल में 29 जून को मौत हो गई। पिता को संदेह है क्योंकि आर्यन ने हादसे की स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

तमंचा दिखा 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 अगस्त ।

कविनगर क्षेत्र स्थित सिविल कोर्ट परिसर में एक चैंबर में घुसकर अधिवक्ता से मारपीट कर तमंचा तानकर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपियों ने चैंबर में बंधक बना लिया और दो दिन के भीतर रकम न देने पर हत्या करने की धमकी दी। अधिवक्ता जीतपाल सिंह सिसौदिया ने कविनगर थाने में संदीप कुमार मित्तल और जितेंद्र सचदेवा के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

शिकायत में जीतपाल सिंह सिसौदिया ने बताया कि 3 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे संदीप कुमार मित्तल नाम का व्यक्ति उनके चैंबर में घुस आया। आरोप है कि उसने आते ही उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद चैंबर की कुंडी अंदर से बंद कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने तमंचा निकालकर उनकी कनपटी पर तान दिया। उसने धमकी दी कि शोर मचाने पर वह उन्हें जान से मार देगा। आरोप है कि आरोपी ने काफी देर तक उन्हें चैंबर में बंधक बनाए रखा और 10 लाख रुपये की रंगदारी की मांग की। इसके बाद संदीप ने अपने मोबाइल फोन से जितेंद्र सचदेव नाम के व्यक्ति से भी उनकी बात कराई। जितेंद्र ने भी फोन पर 10 लाख रुपये देने की मांग की और रकम न देने पर जान से मारने की धमकी दी।

बंधक जमीन बेचकर 11 लाख रुपये की फर्जी रसीद बनाई

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 अगस्त ।

सिहानी गेट क्षेत्र में सहकारी ग्राम विकास बैंक से बंधक रखी जमीन को बेचने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने लोन पूरा होने की फर्जी रसीद बनाकर खरीदारों को गुमराह किया। बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक निशा पाल ने अब्दुल्ला खां और मुस्तफा खां के खिलाफ सिहानी गेट थाने में केस दर्ज कराया है।

ढबारसी गांव निवासी ईदा खां ने दुग्ध प्रसंस्करण योजना के लिए बैंक से चार लाख रुपये का लोन लिया था। उन्होंने अपनी भूमि बैंक के पक्ष में बंधक रखी थी। बैंक का दावा है कि जमीन पर उनका प्रथम चार्ज था। ईदा खां की मृत्यु के बाद यह बंधक भूमि उनके पुत्रों अब्दुल्ला खां और मुस्तफा खां को विरासत में मिली। लोन का भार भी वारिसों पर बना रहा। आरोप है कि बैंक का प्रथम चार्ज होने के बावजूद दोनों भाइयों ने जमीन बेच दी। बैंक प्रबंधन को जानकारी मिलने पर मामले की जांच की गई। जांच में फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ।

जमीन की बिक्री के दौरान खरीदारों को बताया गया कि लोन खाता बंद हो चुका है। उन्हें भरोसा दिलाया गया कि जमीन पर बैंक का कोई बकाया नहीं है। बैंक ने मूल रूप से एक लाख रुपये जमा होने की रसीद जारी की थी। आरोप है कि इस रसीद को फर्जी तरीके से ग्यारह लाख रुपये का कर दिया गया। इसी फर्जी रसीद के आधार पर खरीदारों को लोन का पूरा भुगतान होने की बात कही गई।

दिल्ली में डकैती : कारोबारी दंपती को बंधक बनाकर एक करोड़ की लूट

हेलमेट पहने हथियारबंद बदमाशों ने की वारदात

» दिल्ली, यूटर्न/ 10 अगस्त ।

उत्तरी दिल्ली के रूप नगर में शुक्रवार की रात हथियारबंद बदमाशों ने बुजुर्ग ऑटो पार्ट्स कारोबारी व उनकी पत्नी को बंधक बनाकर एक करोड़ से अधिक की लूट को अंजाम दिया। विरोध पर बदमाशों ने दंपती को बुरी तरह पीटा। बाद में घर की अलमारी और तिजोरियों में रखे 10 लाख कैश, सोने और चांदी के जेवरात व मूर्तियां लेकर भाग गए। खबर मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक जांच दल को भी मौके पर बुलाया गया।

पीड़ित तारेश बैसीवाला (74) के बयान पर पुलिस ने लूटपाट का केस कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस आशंका जता रही कि वारदात को किसी करीबी की सूचना पर अंजाम दिया गया है। पुलिस घर के नौकरों के अलावा तारेश के कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है। सीसीटीवी की मदद से बदमाशों के आने-जाने के रूट की पड़ताल की जा रही है।

उत्तरी जिला पुलिस ने बताया कि तारेश बैसीवाला पत्नी अर्चना (70) के साथ रूप नगर स्थित बंगले में रहते हैं। तारेश का कश्मीरी गेट इलाके में ऑटो पार्ट्स का कारोबार है। शुक्रवार रात करीब 2:30 बजे वह वॉशरूम जाने के लिए उठे तो देखा कि पानी नहीं आ रहा था। मेन गेट खोलकर मोटर चलाने चले गए तो घात लगाए चार बदमाशों ने उन्हें बंधक बना लिया।

दो बदमाश हेलमेट लगाए हुए थे, जबकि दो अन्य के चेहरे ढके थे। बदमाश पिस्टल, चाकू और रॉड से लैस थे।

अलमारी-तिजोरी की चाबी देने से मना करने पर पीटा

बदमाशों ने तारेश पर पिस्टल तानते हुए अलमारी और तिजोरी की चाबी मांगी। इन्कार करने पर मारपीट की। आरोपियों ने दंपती की पिटाई करने के बाद उनके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद रॉड की मदद से अलमारी और तिजोरी के ताले तोड़कर अंदर रखा माल लूट लिया। आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

पांच किलो की चांदी की मूर्तियां भी ले गए...

बदमाशों ने अलमारी में रखे 10 लाख रुपये, 20 सोने की चेन, 25 अंगूठियां, पांच सोने के सिक्के, एक सोने का नेकलेस सेट, करीब पांच किलो वजन की चांदी की मूर्तियां, एक हजार चांदी के सिक्के और अन्य सामान लूट लिया। पुलिस ने बताया कि लूटे गए माल की कीमत एक करोड़ रुपये से ज्यादा है।

बेटे ने पिता पर लगाया आरोप- उनके नाम पर दर्ज प्रॉपर्टी को छिपाया

गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 अगस्त । सिहानी गेट क्षेत्र में एक युवक ने अपने पिता पर दादी की ओर से उसके नाम की गई वसीयत को छिपाकर पूरी संपत्ति पर अपना नाम दर्ज कराने का आरोप लगाया है। आरोप है कि इसके बाद बिना उन्हें जानकारी दिए मकान दूसरे व्यक्ति को बेच दिया गया।

जबकि उसमें आधा हिस्सा उनका था। शिकायत के बाद जीडीए ने अभिलेखों से पिता का नाम निरस्त कर दिया। मामले में शांतनु मोहन केन ने सिहानी गेट थाने में पिता विनय मोहन केन, राजेश कुमार गुप्ता और पांच अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। शिकायत में मूलरूप से सिहानी गेट क्षेत्र के लोहिया नगर और हाल में गढ़ रोड हापुड़ स्थित भीमनगर में रहने वाले शांतनु मोहन केन ने बताया कि लोहिया नगर स्थित भवन उनकी दादी विमला केन उर्फ विमला जाटव के नाम था। दादी ने अपने जीवनकाल में 27 अप्रैल 2022 को पंजीकृत वसीयत कराई थी। इसमें संपत्ति का आधा-आधा हिस्सा अपने बेटे विनय मोहन केन और उनके नाम किया गया था। शांतनु मोहन का कहना है कि 26 जून 2024 को दादी की मौत के बाद उनके पिता विनय मोहन केन ने वसीयत में उनके हिस्से की जानकारी छिपाई। इसके बाद पिता ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जीडीए के अभिलेखों में अपना नाम दर्ज करा लिया। उन्हें इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने जीडीए में आपत्ति दर्ज कराई। दोनों पक्षों को सुनने और दस्तावेजों की जांच के बाद जीडीए ने 11 जून 2026 को संबंधित संपत्ति के अभिलेखों से उनके पिता का नाम निरस्त कर दिया। आरोप है कि दो जून को वह अपनी मां रीता के साथ वहां पहुंचे तो मकान के बाहर राजेश कुमार गुप्ता का बोर्ड लगा मिला।

कॉलेजों-हॉस्टलों में ऑन डिमांड गांजा सप्लाई करने वाले तीन तस्कर मुठभेड़ में गिरफ्तार

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 अगस्त

दिल्ली-एनसीआर के कॉलेजों-हॉस्टलों में छात्रों व अन्य लोगों को ऑन डिमांड गांजा सप्लाई करने वाले गिरोह के तीन तस्करों को विजयनगर पुलिस और स्वाट टीम ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पुलिस के अनुसार, उनके कब्जे से करीब दो लाख रुपये कीमत का 21 किलो गांजा, दो तमंचे और स्कूटी बरामद की है। घायल दोनों आरोपियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि शनिवार रात विजयनगर पुलिस और स्वाट टीम हिंडन बैराज पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान स्कूटी पर तीन युवक आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर उन्होंने भागने का प्रयास किया। पीछा करने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों भोजपुर के कुरेशियन मोहल्ला निवासी अनस और टीलामोड़ के फारूखनगर निवासी दिलशाद के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उनके साथी फारूखनगर निवासी असलम को भी गिरफ्तार कर लिया।

पांच साल से कर रहे थे गांजा तस्करी

पुलिस पूछताछ में असलम ने बताया कि उनका गिरोह करीब पांच वर्षों से गांजा तस्करी कर रहा है। गिरोह दिल्ली में राजा नाम के सप्लायर से गांजा खरीदता था और दिल्ली, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर समेत एनसीआर के अन्य इलाकों में इसकी सप्लाई करता था।

ई-कॉमर्स कंपनियों के नाम से डिलीवरी

आरोपियों ने बताया कि वे कई कॉलेजों के छात्रों और हॉस्टलों में रहने वाले लोगों के संपर्क में थे। ग्राहक ऑनलाइन गांजे की डिमांड भेजते थे। इसके बाद आरोपी अलग-अलग ई-कॉमर्स कंपनियों के नाम से गांजा पैक कर उसकी डिलीवरी करते थे।

घर में बर्तन धो रही किशोरी को सांप ने डसा, मौत

गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 अगस्त । मसूरी क्षेत्र के बयाना गांव में रविवार रात सर्पदंश से 15 वर्षीय किशोरी साक्षी की मौत हो गई। पड़ोसी अरुण चंद्रा ने बताया कि रात करीब 8:30 बजे कल्लू की बेटी साक्षी घर में बर्तन धो रही थी। इसी दौरान काले रंग के सांप ने उसके हाथ में डस लिया। परिजन साक्षी को नौ बजे उपचार के लिए तीन निजी अस्पतालों में लेकर गए, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अरुण चंद्रा ने बताया कि साक्षी की मां राखी की भी करीब 15 वर्ष पहले सर्पदंश से मौत हुई थी। जिले में पिछले 15 दिनों में अलग क्षेत्रों में 18 लोगों को सांप काट चुके हैं। इनमें तत्काल इलाज के बाद 12 लोगों की जान बच चुकी है। अस्पताल पहुंचने में देरी की वजह से चार की जान भी जा चुकी है। हालांकि पोस्टमार्टम किसी का नहीं हुआ था। जानकारी के अनुसार भट्ठा नंबर पांच क्षेत्र में रहने वाले एक माली की सर्पदंश से मौत हो गई थी, जबकि उनकी पत्नी पत्नी की हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली रेफर किया गया था। डिडौली में दो कांवड़ियों को शिविर में सांप ने डस लिया था, जिसमें एक की मौत हो गई थी, जबकि दूसरे कांवड़िये को गंभीर हालत में दिल्ली रेफर किया गया था। दस दिन पहले चिपियाना की एक महिला की एमएमजी अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई थी। जिला पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एसपी पांडेय का कहना है कि बारिश के मौसम में बिलों और जमीन के भीतर पानी भरने के कारण सांप सुरक्षित स्थान की तलाश में बाहर निकलते हैं।

स्लमडॉग 33 टेंपल रोड में डिप्टी कमिश्नर बनीं तब्बू

विजय सेतुपति से बोलीं- पहले गोली चलाते हैं, फिर बात

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' को लेकर फैंस के बीच काफी समय से उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं और इसका निर्देशन पुरी जगन्नाथ कर रहे हैं। फिल्म को लेकर पहले ही विजय सेतुपति के लुक ने खूब ध्यान खींचा था। अब मेकर्स ने अभिनेत्री तब्बू के किरदार की झलक जारी कर दी है।

सोमवार को फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर तब्बू के किरदार का एक खास वीडियो जारी किया, जिसे निर्देशक पुरी जगन्नाथ ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। उन्होंने तब्बू को भारतीय सिनेमा का अनमोल रत्न बताते हुए फिल्म में उनके किरदार की जानकारी दी। वीडियो में तब्बू 'गौरी हेगड़े' के रूप में नजर आ रही हैं। उन्हें एक ऐसी महिला के तौर पर पेश किया गया है, जो निडर है, ताकतवर है और किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटती।

वीडियो की शुरूआत तब्बू के किरदार को 'पावरफुल ऑफिसर' के तौर पर पेश करने से होती है। इसके बाद वीडियो में उनके कई एक्शन से भरपूर सीन दिखाई देते हैं। तब्बू का किरदार लोगों को धमकाता और थप्पड़ मारता नजर आता है। उनके चेहरे के हाव-भाव और बातचीत का अंदाज भी काफी सख्त है। वीडियो में एक सीन खास तौर पर लोगों का ध्यान खींचता है, जिसमें तब्बू विजय सेतुपति के किरदार से

बात करती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं, 'हमारे स्टाइल में पहले गोली चलाते हैं और फिर बात करते हैं।' वीडियो के आखिर में तब्बू के किरदार की पहचान सामने आती है। वह बताती हैं कि उनका नाम गौरी हेगड़े है और वह इनकम टैक्स विभाग में डिप्टी कमिश्नर हैं।

तब्बू के इस अंदाज ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ा दी है। दर्शक अब यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गौरी हेगड़े का किरदार विजय सेतुपति की कहानी से किस तरह जुड़ा होगा।

फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है। फिल्म के अलग-अलग भाषाओं वाले वर्जन पर भी काम किया जा रहा है, ताकि इसे बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा सके।

फिल्म का निर्माण पुरी जगन्नाथ अपने प्रोडक्शन बैनर पुरी कनेक्ट्स के तहत कर रहे हैं। इसे चार्मी कौर, जेबी मोशन पिक्चर्स और जेबी नारायण राव कोंड्रल्ला के सहयोग से पेश किया जा रहा है। फिल्म में विजय सेतुपति के साथ संयुक्ता मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में दर्शकों के सामने आएगी।

डेब्यू फिल्म सांवरिया के फ्लॉप होने के बावजूद रणबीर कपूर बने सुपरस्टार

बॉलीवुड के सुपरस्टार रणबीर कपूर ने साल 2007 में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। कपूर खानदान के चिराग होने के नाते उनसे काफी उम्मीदें थीं, लेकिन जब उनकी पहली फिल्म सांवरिया रिलीज हुई, तो यह बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। इसके बाद रणबीर कपूर की एक्टिंग से लेकर करियर तक पर लोगों ने सवाल खड़े कर दिए थे। हालांकि, लोगों को शायद यह नहीं पता था कि रणबीर कपूर की रगों में कपूर्स का खून दौड़ता है और वह एक्टिंग से चूक नहीं सकते। आगे चलकर रणबीर कपूर ने खुद को साबित किया और 19 सालों के अंदर उन्होंने अपनी डायलॉग डिलीवरी, फिल्मों के सिलेक्शन और दमदार एक्टिंग से खुद को सुपरस्टार के रूप में स्थापित कर लिया है।

साल 2007 में संजय लीला भंसाली जैसे सुपरस्टार निर्देशक की फिल्म सांवरिया के जरिए रणबीर कपूर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसी फिल्म से सोनम कपूर ने भी फिल्म डेब्यू किया था। सांवरिया एक म्यूजिकल रोमांस फिल्म थी, जिसमें रानी मुखर्जी और जोहरा सहगल जैसे सितारे भी थे। फिल्म को संजय लीला भंसाली और प्रकाश कपाड़िया ने मिलकर लिखा था। यह व्हाइट नाइट्स शॉर्ट स्टोरी पर आधारित थी और इसे 53वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में 6 नॉमिनेशन भी मिले थे। हालांकि, सांवरिया बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी। फिल्म के फ्लॉप होने के पीछे दो मुख्य कारण बताए जाते हैं। अच्छी एक्टिंग और बेहतरीन डायरेक्शन के बावजूद फिल्म का धीमा वर्जन मेनस्ट्रीम ऑडियंस को कनेक्ट नहीं कर पाया। वहीं, दूसरा सबसे बड़ा फैक्टर यह था कि संजय लीला भंसाली ने शाहरुख खान-दीपिका पादुकोण की ओम शांति ओम से पंगा मोल लिया था, जो उसी दिन रिलीज हुई थी। जहां फराह खान की फिल्म ओम शांति ओम ब्लॉकबस्टर बनी, वहीं सांवरिया फ्लॉप रही। भले ही सोनम कपूर की सादगी लोगों को पसंद आई और रणबीर कपूर का टॉवल वाला आइकॉनिक सीन भी खूब छाया, लेकिन इन सब के बावजूद फिल्म दर्शकों को खींचने में कामयाब नहीं रही। अगर आपको रणबीर कपूर का पुराना अंदाज देखना है, तो आप सांवरिया को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर देख सकते हैं। इस फिल्म को आईएमडीबी की 5.2 की रेटिंग मिली थी।

'फाइन शिट' पर ट्रोलिंग के बीच सिंगर गुरु रंधावा बोले, इसमें कोई नेगेटिव फीलिंग नहीं

सिंगर गुरु रंधावा इन दिनों अपने नए गाने 'फाइन शिट' को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा में हैं। गाना रिलीज होने के बाद जहां कुछ लोगों ने इसे पसंद किया, वहीं बड़ी संख्या में सोशल मीडिया यूजर्स ने इसके लिरिक्स, म्यूजिक और म्यूजिक वीडियो की प्रेजेंटेशन को लेकर सवाल उठाए। लगातार हो रही ट्रोलिंग के बीच अब गुरु रंधावा ने खुद सामने आकर इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। गुरु रंधावा ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''मैं मानता हूं कि मैं ऐसे गाने बनाता हूं जो आपके दिमाग में बार-बार चलते रहते हैं। जो गाने बन रहे हैं, वो मुझे अच्छे लग रहे हैं। इसमें कोई नकारात्मक भावनाएं नहीं हैं। ये बस एक छोटी सी स्लैंग है। शांत हो जाओ, शांत हो जाओ, शांत हो जाओ दोस्तों।'' दरअसल, गुरु रंधावा का 'फाइन शिट' गाना रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर बहस का विषय बना हुआ है। म्यूजिक वीडियो को एक कॉर्पोरेट ऑफिस के माहौल में फिल्माया गया है। इसमें गुरु रंधावा एक सीनियर प्रोफेशनल के किरदार में नजर आते हैं। उनके आसपास महिला सहकर्मी डांस और परफॉर्म करती दिखाई देती हैं। वीडियो की शुरूआत एक मजेदार डिस्क्लेमर के साथ होती है। इसमें बताया गया है कि वीडियो में दिखाई देने वाले सभी कलाकार 18 साल से ज्यादा उम्र के हैं और कहानी काल्पनिक है। साथ ही मजाकिया अंदाज में दर्शकों को सलाह दी गई है कि वे ऑफिस में वीडियो के डांस स्टेप्स को दोहराने की कोशिश न करें, वरना एचआर उन्हें बैन कर सकता है। गाना सामने आने के बाद कई यूजर्स ने गुरु रंधावा को ट्रोल करना शुरू कर दिया।

शमी फिट है तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ले जाना चाहिये : जहीर

» मुम्बई, यूटर्न/ 10 अगस्त ।

पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि अगर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट है तो उन्हें आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। शमी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की तेज और उछाल भरी पिचों पर शमी काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। शमी ने पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रह हैं। इसके बाद भी उन्हें टीम में वापसी का अवसर नहीं मिल पा रहा रहा है।

शमी ने टीम इंडिया के लिए किसी भी प्रारुप में एक साल से नहीं खेला है। इस दौरान हालांकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए और अपनी फिटनेस को भी साबित किया है पर टीम मैनेजमेंट उन्हें लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। जिस प्रकार से टीम मैनेजमेंट आगामी बड़े टूनार्मेंट के लिए युवा तेज गेंदबाजों को अवसर दे रहा है उसका इस अनुभवी तेज गेंदबाज की वापसी कठिन नजर आती है हालांकि

कई पूर्व क्रिकेटरों ने शमी की वापसी का समर्थन किया है। वहीं इसी को लेकर जहीर ने कहा, 'जब कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे निश्चित रूप से टीम की योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए, शमी को लेकर अभी ऐसा नहीं नहीं दिख रहा है। शमी को विश्व कप के लिए टीम में जगह मिलनी चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे नहीं पता कि टीम प्रबंधन इस बारे में क्या सोच रहा है। यह फैसला हेड कोच, चयनकर्ता और कप्तान ही करेंगे पर मेरी राय में अगर शमी फिट और उपलब्ध हैं तो भारत को उनके जैसे अनुभवी गेंदबाज को दक्षिण अफ्रीका ले जाना चाहिए.' वहीं चयनकताओं ने शमी की टीम इंडिया में वापसी नहीं होने को लेकर तर्क दिया था कि उनकी फिटनेस एक बड़ी समस्या है। इसके कारण चयन समिति के प्रमख्य अजीत अगरकर और शमी के बीच बयानबाजी का एक दौर भी चला था। तब शमी ने कहा था कि वह घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं और पूरी तरह से फिट हैं।

कुलदीप को लेकर बोले रहाणे, लगातर अंदर बाहर होने से प्रभावित होती है लय

» मुम्बई, यूटर्न/ 10 अगस्त ।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे ने कहा है कि लय टूटने से खिलाड़ियों को वापसी के दौरान परेशानी होती हे। रहाणे ने ये बात युवा स्पिनर कुलदीप यादव को लेकर कही है। रहाणे के अनुसार कुलदीप को टीम में जिस प्रकार से अंदर-बाहर किया जा रहा है उससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है। रहाणे ने कहा कि अंतिम ग्यारह में अगर किसी खिलाड़ी को बार-बार अंदर-बाहर किया जाता है तो लय खराब होने के साथ ही उसका मनोबल भी कम होता है।

रहाणे ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि कुलदीप के श्रीलंका के बीच आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है और ये पूरी संभावना है कि वह उन्हें , भारतीय स्पिन चौकड़ी का हिस्सा बनाया जा सकता है। वहीं इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे में जगह नहीं मिली थी।

रहाणे ने कहा, 'मुझे लगता है कि कुलदीप ने पिछले चार-पांच सालों में अपने खेल में काफी सुधार किया है। उन्होंने अपनी गेंदों की गति और विविधता पर काम किया है। अंतिम ग्यारह में बार-बार अंदर-बाहर होने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए यह हालांकि कठिन होता है, क्योंकि क्रिकेट लय का खेल है, चाहे आप बल्लेबाजी कर रहे हों या गेंदबाजी।'

रहाणे ने कुलदीप की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें एक बेहतरीन स्पिनर और मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया।

गौरतलब है कि कुलदीप ने साल 2017 में धर्मशाला में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। रहाणे ने उसी डेब्यू मैच को याद करते हुए कहा, 'कुलदीप एक बेहतरीन स्पिनर हैं। इसीलिए मैंने धर्मशाला में उन पर भरोसा जताया था। मुझे पता था कि वो विकेट लेने में माहिर हैं। हालांकि उस समय वो अनुभवी नहीं थे, लेकिन मुझे विश्वास था कि उन्हें उस स्थिति में उतारना फायदेमंद होगा।' गौरतलब है कि अपने लगभग नौ साल के करियर में, कुलदीप केवल 18 टेस्ट मैच ही खेल पाए हैं, जिनमें उनके नाम 79 विकेट हैं। भारतीय टीम में उनका चयन अनियमित रहा है, जिससे उन्हें लगातार मौके नहीं मिल पाए हैं, और यही उनके करियर में उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह रही है। रहाणे ने कहा कि खिलाड़ियों को लगातार समर्थन देना बेहद जरुरी है, खासकर वे जो मैच जिताने की क्षमता रखते हों।

उन्होंने आगे कहा, 'एक टेस्ट खेलने के बाद अगले चार-पांच टेस्ट में बेंच पर बैठना आसान नहीं होता। लय बहुत जरूरी है, खासकर गेंदबाजों के लिए।' रहाणे ने कुलदीप के प्रदर्शन में सुधार और उनकी बढ़ी हुई आत्मविश्वास पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'हर दिन गेंद आपके हाथ से एक ही तरह से नहीं निकलती।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

गिड़गिडा रहा अमेरिका बोला- हम छोड़ देंगे परमाणु समझौता, ईरान किसी भी सूरत में होर्मुज खोल दे

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

ईरान के साथ सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब परमाणु समझौते के बजाय होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने को प्राथमिकता दे सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, ट्रंप ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों से निजी बातचीत में संकेत दिया है कि अगर ईरान होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बहाल कर देता है तो अमेरिका बिना नए परमाणु समझौते के भी सैन्य संघर्ष से बाहर निकलने पर विचार कर सकता है। बताया जा रहा है कि इस जंग से अमेरिका को भारी नुकसान हुआ है वो अब जंग नहीं चाहता है, इसलिए गिड़गिड़ाने को मजबूर हो

रहा है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में शामिल है। यहां से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस का अंतरराष्ट्रीय कारोबार होता है। संघर्ष शुरू होने के बाद ईरान ने इस मार्ग से आवाजाही पर रोक लगा दी थी और अमेरिकी तथा सहयोगी देशों के युद्धपोतों को यहां से गुजरने की अनुमति नहीं देने की चेतावनी दी थी। हालांकि, होर्मुज खोलने के बदले ईरान ने अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बाघेर जुलघद्र के अनुसार, अमेरिका को युद्ध स्थायी रूप से समाप्त करना होगा, समुद्री नाकाबंदी हटानी होगी और क्षेत्र से अपनी सैन्य मौजूदगी वापस लेनी होगी। इसके अलावा ईरान ने सभी प्रतिबंध हटाने, विदेशों में जमा अपनी रकम वापस पाने और युद्ध में हुए नुकसान की भरपाई के लिए अरबों डॉलर के मुआवजे की मांग की है। ईरान ने अमेरिका से धमकी और अपमानजनक बयानबाजी बंद करने तथा ईरान समर्थित क्षेत्रीय समूहों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने की भी मांग की है।

दोनों देशों के बीच समझौते की राह फिलहाल आसान नहीं दिख रही है। ईरान के पास होर्मुज में समुद्री यातायात प्रभावित करने की क्षमता है। मिसाइल और ड्रोन के जरिए जहाजों की आवाजाही बाधित किए जाने की आशंका ने वैश्विक तेल और ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ा दी है। अमेरिका के लिए भी होर्मुज का मुद्दा अहम है। युद्ध के कारण अमेरिकी पेट्रोल की कीमतें पहले की तुलना में बढ़ी हैं और मध्यावधि चुनावों से पहले ट्रंप प्रशासन ऐसा रास्ता चाहता है जिससे सैन्य अभियान को सफल बताया जा सके। ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि होर्मुज खुला है और ईरान के साथ समझौता जल्द हो सकता है।

संक्षिप्त खबरें

ईरान बातचीत अपनी संपत्ति पर से पाबंदी हटाने को प्राथमिकता दे रहा: माइक वाल्ट्ज

वाशिंगटन, यूटर्न/ 10 अगस्त। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान ईरान कथित तौर पर वित्तीय मामलों, विशेष रूप से अपनी संपत्ति पर से पाबंदी हटाने को प्राथमिकता दे रहा है। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका ईरान के साथ आधे-अधूरे मन से बातचीत कर रहा है, जबकि ईरान की आर्थिक स्थिति कथित तौर पर बिगड़ रही है। श्री वाल्ट्ज ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि ईरान अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से ज्यादा वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से डरता है। उनका कहना है कि ईरान बमबारी सह सकता है, लेकिन पैसे से जुड़े दबाव से ज्यादा परेशान होता है। इसलिए बातचीत में ईरानी बार-बार पैसों की ही बात करते हैं और अपनी सेना की चिंता कम करते हैं।

ट्रंप बिना न्यूक्लियर डील के ईरान के साथ टकराव खत्म करने को तैयार

» **वाशिंगटन, यूटर्न/ 10 अगस्त।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निजी तौर पर ईरान के साथ टकराव को बिना परमाणु समझौते के खत्म करने का विचार रखा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अखबार के मुताबिक ट्रंप कई हफ़्तों से ईरान के साथ युद्ध में जीत का ऐलान करने की तैयारी कर रहे हैं (अगर तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य) को पूरी तरह से फिर से खोल देता है। उन्होंने अपने वरिष्ठ सलाहकारों से निजी तौर पर यह भी कहा है कि वे बिना परमाणु समझौते (न्यूक्लियर डील) के भी डील करने को तैयार हैं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने अखबार को बताया कि अमेरिका ने ईरान से जुड़े अपने सभी सैन्य लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।

एच-1बी वीजा धारकों पर संकट: नौकरी छूटते ही अमेरिका छोड़ना पड़ेगा, 5 लाख भारतीयों पर असर

वाशिंगटन, यूटर्न/ 10 अगस्त । अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिकी सरकार नौकरी जाने के बाद नई नौकरी तलाशने के लिए मिलने वाली 60 दिन की मोहलत खत्म करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यदि यह बदलाव लागू होता है, तब नौकरी गंवाने वाले कर्मचारियों के लिए अमेरिका में रुकना और दूसरी नौकरी खोजना बेहद मुश्किल होगा। इस संभावित कदम से करीब 5 लाख भारतीय एच-1बी वीजा धारक सीधे तौर पर प्रभावित हो सकते है। जिन्हें अपनी नौकरी छूटने के तुरंत बाद अमेरिका छोड़ने पर मजबूर होना पड़ सकता है। फिलहाल, यह प्रस्ताव व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (ओएमबी) को भेजा गया है और अभी तक यह एक नियम नहीं बना है। यह मुद्दा भारतीय समुदाय के लिए चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम करते हैं। इस साल मई में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने उठाया था।

अमेरिका ने कहा- फिलीपींस के मछुआरों को मछली पकड़ने से रोक रहा चीन, चीन और फिलीपींस के बीच बढ़ रहा तनाव

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 10 अगस्त । दक्षिण चीन सागर में स्कारबोरो रीफ को लेकर चीन और फिलीपींस के बीच तनाव के बीच अमेरिका ने चीन के नए कदम को खारिज कर दिया है। अमेरिका ने चीन पर आरोप लगाया कि राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व के नाम पर वह फिलीपींस के मछुआरों को उनके पारंपरिक मछली पकड़ने वाले क्षेत्रों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने कहा कि वह अपने सहयोगी फिलीपींस के साथ मजबूती से खड़ा है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, स्कारबोरो रीफ पर चीन की ओर से राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व लागू करने का कदम अस्थिर करने वाला है और यह 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसले के विपरीत है। अमेरिका ने इसे दक्षिण चीन सागर में अपने क्षेत्रीय और समुद्री दावों को आगे बढ़ाने की चीन की एकतरफा कोशिश बताया।अमेरिकी बयान में कहा गया कि चीन अपने पड़ोसियों की कीमत पर दक्षिण चीन सागर में दावों को मजबूत करने के लिए पर्यावरण और कानूनी आधार का इस्तेमाल कर रहा है।

नेपाल की निर्वासन सूची में शीर्ष पर चीनी नागरिक

काठमांडू, यूटर्न/ 10 अगस्त । नेपाल के अध्यागमन विभाग (आव्रजन विभाग) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 2021 से 2025 के बीच चीनी नागरिकों को सबसे अधिक निर्वासित किया गया। विभाग का कहना है कि ये लोग देश के आव्रजन नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। वार्षिक रिपोर्ट में, विभाग ने बताया कि नेपाल ने इस दौरान 695 चीनी नागरिकों को निकाला गया, जो देश से डिपोर्ट किए गए विदेशी नागरिकों का सबसे बड़ा हिस्सा है। नेपाल ने पांच साल में कुल 2,267 विदेशी नागरिकों को निर्वासित किया, जिसमें चीनी नागरिकों की संख्या सबसे ज्यादा थी। वहीं दूसरे पायदान पर अमेरिकी नागरिक रहे। यूएस के 191 नागरिक डिपोर्ट किए गए और तीसरे नंबर पर बांग्लादेश रहा, जिसके 145 नागरिकों को डिपोर्ट किया गया। चौथे पर यूके और पांचवें पर पाकिस्तान के नागरिक रहे। विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'ये आंकड़े दशार्ते हैं कि कुछ देशों के नागरिक किस कदर इमिग्रेशन कानून का उल्लंघन करते हैं। इससे स्पष्ट है कि हमें नेपाल आने वाले विदेशी नागरिकों पर लगातार और पैनी नजर बनाए रखनी होगी।'

पूर्व सासंद ने वरिष्ठ अफसर पर बरसाई गोलियां, मौत

» **बैंकॉक, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के बाहरी इलाके में सोमवार को एक बार फिर गोलीबारी हुई। इस बार गोली चलाने वाला शख्स एक पूर्व सांसद हैं जिनकी उम्र 71 साल बताई जा रही है। स्थानीय मीडिया आउटलेट बैंकॉक पोस्ट के अनुसार, सोमवार सुबह एक शख्स ने प्रोवेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन ऑर्गनाइजेशन (पीएओ) के कार्यालय में घुसकर अध्यक्ष थोंगचाई येनप्रासर्ट की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद नोन्थाबुरी के पूर्व एमपी चालोंग रिएवरेंग को गिरफ्तार किया गया। चालोंग पर आरोप है कि वह मुआंग जिले में पोल कर्नल थोंगचाई के दफ्तर में जबरदस्ती घुस गए और सुबह करीब 11 बजे उन पर कई गोलियां चलाई गईं। पीएओ अध्यक्ष को मौके पर कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन दिया गया, जिसके बाद उन्हें फ्रानांगक्लाओ अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जिसके बाद उन्हें हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया। प्रांत के पुलिस कमांडर, मेजर जनरल डेजरापी कोंगडी ने कहा कि संदिग्ध बंदूकधारी, जो एक पूर्व सांसद है, ने एक

वरिष्ठ अधिकारी और उनके ड्राइवर पर गोली चलाई थी।

डेजरापी ने रॉयटर्स को बताया, 'दो लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।'

बैंकॉक पोस्ट की खबर के अनुसार आरोपी चालोंग रीवरेंग तीन बार सांसद रह चुका है। हाल ही में वह फ्यू थाई पार्टी के साथ था। 71 साल के इस व्यक्ति को 1997 में थाई राजनीति में 'कोबरा' कहा गया था, जब उसने दूसरी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को वोट दिया था। चालोंग के शिकार, थोंगचाई येनप्रासर्ट, एक पूर्व पुलिस अधिकारी थे और वर्तमान में नोंथबुरी प्रांतीय प्रशासनिक संगठन के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। हत्या का कारण क्या था ये अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस हत्या का मकसद पता लगाने में जुटी है।

शुक्रवार को इसी इलाके के देबसिरिन नोंथबुरी स्कूल में 14 साल के किशोर ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं। इसमें टीचर और स्कूली बच्चों समेत 9 की मौत हो गई थी। इससे पहले कथित तौर पर किशोर अपने बुजुर्ग दादा-दादी की हत्या कर स्कूल पहुंचा था और बाद में उसने खुद को भी गोली मार ली थी।

कनाडा ने 2026 में 3,323 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर निकाला

2025 में 3,779 को निकाला था, कनाडा का इमिग्रेशन नियमों को लेकर एक्शन

» **ओटावा, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

कनाडा में इमिग्रेशन नियमों को लेकर सख्ती का असर भारतीय नागरिकों पर दिख रहा है। 2026 के पहले छह महीनों में ही कनाडा ने 3,323 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर निकाल दिया गया। यह आंकड़ा पूरे 2025 में बाहर भेजे गए 3,779 भारतीयों के करीब है। अगर यही रफ्तार रही तो इस साल पिछले रिकॉर्ड के टूटने की संभावना है। कनाडा सीमा सेवा एजेंसी के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से जून 2026 के बीच 3,323 भारतीय नागरिकों को कनाडा से बाहर कर दिया। अब तक कनाडा से सबसे ज्यादा भारतीय नागरिकों को 2025 में बाहर भेजा गया था, लेकिन मौजूदा रफ्तार को देखते हुए 2026 में यह रिकॉर्ड पार होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक इस मामले में भारत ने मेक्सिको को पीछे छोड़ दिया है। जनवरी से जून के बीच 1,573 मैक्सिकन नागरिकों को कनाडा से वापस भेजा। पिछले पांच सालों में कनाडा से बाहर भेजे जाने वाले विदेशी नागरिकों की सूची में मेक्सिको आम तौर पर सबसे ऊपर रहा था, जबकि भारत दूसरे स्थान पर था। कनाडा आमतौर पर उन लोगों को देश से बाहर निकालता है, जो उसके आव्रजन नियमों का पालन नहीं करते। इसमें कई तरह के मामले शामिल हैं। इनमें वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी कनाडा में रहना, शरण या शरणार्थी आवेदन खारिज होना, आव्रजन नियमों का उल्लंघन और वीजा से जुड़ी धोखाधड़ी जैसे मामले शामिल हैं।

चीन में तूफान 'डॉल्फिन' का कहर: 10 लाख से ज्यादा लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए, ब्लू टाइफून वॉर्निंग जारी

» **बीजिंग, यूटर्न/ 10 अगस्त ।**

चीन के पूर्वी हिस्सों में शक्तिशाली तूफान 'डॉल्फिन' ने भारी बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ा दिया है। चीनी मेट विभाग ने ब्लू टाइफून वॉर्निंग जारी कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रविवार शाम तक 10 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों को आशंका है कि आने वाले दिनों में लगातार तेज बारिश से कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा हो सकती है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि चीन के नेशनल मौसम विज्ञान सेंटर के अनुसार, टाइफून डॉल्फिन पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के तट से टकराने के बाद अंदर की ओर बढ़ रहा है और इसके 10 से इलाकों में भारी बारिश लाने की आशंका है। सेंटर ने सोमवार सुबह एक ब्लू टाइफून वॉर्निंग जारी की, जिसमें झेजियांग, जियांग्सू, हेनान और हेबेई जैसे इलाकों में बुधवार तक लगातार भारी बारिश का अनुमान है। कुछ इलाकों में

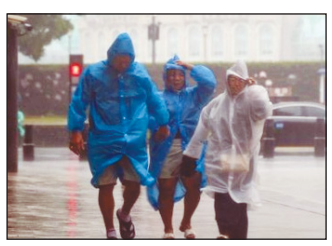

मूसलाधार बारिश, आंधी और तेज हवाएं चलने की आशंका है। तूफान का सबसे ज्यादा असर झेजियांग प्रांत के तटीय शहर वेंझोउ पर पड़ा है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यहां 9 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लोगों के लिए 1,500 से ज्यादा आपातकालीन आश्रय केंद्र खोले गए हैं। पड़ोसी फुजियान प्रांत में भी करीब 98,900 लोगों को जोखिम वाले इलाकों से हटाया गया। चीन का सबसे बड़ा शहर शंघाई भी तूफान की चपेट में है। रविवार शाम तक शहर के संवेदनशील इलाकों से करीब 2,15,600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *